डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

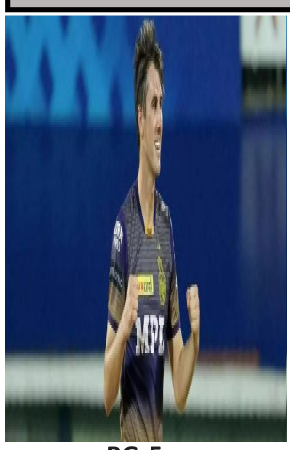

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमा:-भूमि पेडनेकर की लेटेस्ट तस्वीरें उड़ा देंगी आपके होश

वर्ष -08 अंक -217 | प्रयागराज, बुधवार, 16 नवंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस में शुरू हुई लोकसभा चुनाव के लिए हलचल, खरगे की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की पहली बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । राजनीतिक चुनौतियों से उबरने की कोशिशों में जुटी कांग्रेस में अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सरगर्मी शुरू हो गई है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए गठित कांग्रेस टास्क फोर्स की सोमवार को हुई बैठक पार्टी में शुरू हुई इस हलचल का पहला संकेत है। कांग्रेस के नए अध्यक्ष

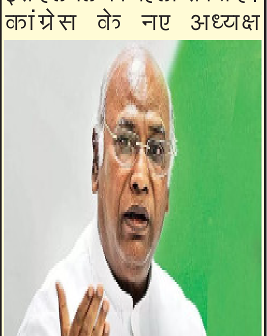

मल्लिकार्जुन खरगे के कमान संभालने के बाद टास्क फोर्स की यह पहली बैठक थी 2024 के सियासी परिदृश्य को लेकर हुई प्रारंभिक चर्चा टास्क फोर्स की इस बैठक को लेकर पार्टी ने किसी तरह की टीका-टिप्पणी से परहेज किया। हालांकि, सूत्रों ने यह जरूर बताया कि मौजूदा राजनीतिक हालात और राज्यों के चुनाव की चर्चा के साथ 2024 के सियासी परिदृश्य को लेकर प्रारंभिक चर्चा हुई। पार्टी मोदी सरकार के कामकाज और चुनावी वादों की वास्तविकता जैसे विषयों का अध्ययन करने के साथ भविष्य की सियासी रणनीति तैयार करेगी।बैठक के दौरान राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहे समर्थन और पार्टी कैडर में बढ़े उत्साह जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के साथ वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम, मुकुल वासनिक, जयराम रमेश, रणदीप सुरजेवाला, प्रियंका गांधी वाड्रा आदि इस टास्क फोर्स के सदस्य हैं।

12 नवंबर को आयोजित 'राष्ट्रीय लोक अदालत' में बना रिकॉर्ड, मध्यस्थता के जरिए निपटाए गए 14.77 लाख मामले

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरू। कर्नाटक में 12 नवंबर को आयोजित 'राष्ट्रीय लोक अदालत' में मध्यस्थता के माध्यम से कुल 14.77 लाख पूर्व मुकदमों और अदालतों में लंबित मामलों का निपटारा किया गया। कर्नाटक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति बी वीरप्पा के अनुसार, पिछली लोक अदालतों की तुलना में इस बार रिकॉर्ड संख्या में मामलों का निपटारा किया गया है। कुल 1,021 पीठों, जिला अदालतों के 1,013 और उच्च न्यायालय के आठ - ने विभिन्न अदालतों में कुल 1,76,501 लंबित मामलों का निपटारा किया।13,00,784 पूर्व-मुकदमों सहित 14,77,285 मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाया गया, और 1,282 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया।

दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। दिल्ली में मंगलवार की सुबह आसमान में बादल छाए रहे। इस दौरान दिल्ली व नोएडा के कई जगहों पर हल्की बारिश भी हुई है। माना जा रहा है कि हल्की बारिश के चलते दिल्ली-एनसीआर में अब ठंड तेज होने वाली है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में हल्की बारिश के साथ एकबार फिर से तेज बर्फबारी शुरू हो गई है। इसका असर उत्तर और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में साफ देखा जा रहा है। वहीं, दक्षिण भारत के कई राज्यों में अभी भी बारिश का दौर जारी है। बारिश के चलते स्कूलों में छुट्टी भी घोषित की गई है। तमिलनाडु में बारिश जारी रहने के कारण राज्य के मयिलादुथुराई जिले के सिरकाजी और थारंगमपडी तालुकों में मंगलवार (15 नवंबर, 2022) को स्कूल बंद रहेंगे। राज्य में भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। इससे पहले मयिलादुथुराई जिला कलेक्टर ने

स्कूलों के लिए 14 नवंबर, 2022 को छुट्टी की घोषणा की थी। इसे भी आज यानी 15 नवंबर, 2022 तक बढ़ा दिया गया है। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (घ्श्व्) ने तमिलनाडु और उसके सभी जिलों को मंगलवार तक के लिए यलो अलर्ट पर रखा है। यहां के लोगों को मौसम पर सतर्क नजर रखने की सलाह दी गई है। तमिलनाडु के अन्य जिलों में कल स्कूल खुले रहने की उम्मीद है। चेन्नई के स्कूलों और बारिश के कारण उनके बंद होने के संबंध में अभी तक कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी भारी बारिश के कारण हुए नुकसान का निरीक्षण करने के लिए मयिलादुथुराई जिले का दौरा किया। निरीक्षण करने पर सीएम ने मयिलादुथुराई के सिरकाजी, थरंगमपडी तालुकों में प्रभावित सभी लोगों के लिए राहत का आदेश दिया है। वहीं, भारती मौसम विज्ञान विभाग ने बेंगलुरु सहित कर्नाटक के 20 से अधिक जिलों में 17 नवंबर तक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी के अनुसार, बेंगलुरु शहर, बेंगलुरु ग्रामीण, चिक्कबल्लापुर, दक्षिण कन्नड़ के तटीय जिले, उत्तर कन्नड़, उडुपी, धारवाड़ के उत्तरी क्षेत्र, गडग, ??हावेरी, कोप्पल, रायचूर, हसन, चिक्कमगलूर, शिवमोग्गा, दक्षिणी जिलों के मलनाड (पहाड़ी) क्षेत्र कोडागु, मैसूर, मांड्या, कोलार, रामनगर और तुमकुरु में लगातार बारिश हो रही है। बेंगलुरू में धुंध भरी सुबह के साथ बूंदा बांदी के साथ पूरी अवधि के दौरान बादल छाए रहने की संभावना है। यहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री रहने का अनुमान है। तमिलनाडु में भारी बारिश का असर बेंगलुरु पर भी पड़ने वाला है, जो इसकी सीमाओं के करीब ही स्थित है।

भाजपा ने मैनपुरी लोकसभा समेत पांच विधानसभा के उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने आगामी एक लोकसभा और पांच विधानसभा के उपचुनावों को लेकर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। भाजपा ने राजस्थान, बिहार,

छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनावों के उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट से भाजपा ने रघुराज सिंह शाक्य को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश के खतौली विधानसभा क्षेत्र से राजकुमार सैनी को उम्मीदवार बनाया है। साथ ही रामपुर विधानसभा में होने वाले उपचुनाव में आकाश सक्सेना को उम्मीदवार घोषित किया है।राजस्थान की सारदारशहर विधानसभा सीट में होने वाले उपचुनाव में अशोक कुमार पिंचा को उम्मीदवार घोषित किया है। बिहार के कुरहानी विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव में भाजपा ने केदार प्रसाद गुप्ता को उम्मीदवार बनाया है। छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर (एसटी) विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव में ब्रह्मानंद नेताम को भाजपा ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

विकास के नाम पर पाकिस्तान को निगल रहा चीन, सरकार कर रही विरोधी सुरों की अनदेखी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । पाकिस्तान और चीन के बीच वर्षों से जारी गठबबधन भारत के लिए परेशानी का सबब रहा है। चीन की पाकिस्तान में चलाई गई विभिन्न परियोजनाएं जिनमें सीपैक, सिल्क कारिडोर, ग्वादर प्रोजेक्ट समेत दूसरे क्षेत्रों में ढांचागत निवेश शामिल हैं, पर

भारत हमेशा अपना विरोध जताता रहा है। इनका विरोध केवल भारत ही नहीं कर रहा है बल्कि, पाकिस्तान में रहने वाले भी इन परियोजनाओं को लेकर समय-समय पर सड़कों पर उतर चुके हैं। मौजूदा समय में ग्वादर को लेकर जो विरोध पाकिस्तान में दिखाई दे रहा है उसकी वजह भी यही है। दरअसल, चीन के दबाव में पाकिस्तान अपने ही लोगों के हितों के खिलाफ फैसला ले रहा है। इसकी वजह ये लोग भड़के हुए हैं। यदि ग्वादर में जारी विरोध की ही बात की जाए तो यहां पर स्थानीय मछुआरों के मछली पकड़ने पर रोक लगा दी गई है। इस वजह से स्थानीय मछुआरों की रोजी-रोटी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ग्वादर चीन की उन परियोजना का एक हिस्सा है जिसके ऐवज में बीजिंग ने पाकिस्तान को बड़ी राशि कर्ज के तौर पर दी है। ये राशि पाकिस्तान को विकास के नाम पर दी गई है। लेकिन, हकीकत ये है कि ग्वादर से चीन की सीमा में अपना माल ले जाने के लिए जिस आधारभूत ढांचे की जरूरत बीजिंग को थी उसके विकास के लिए ही ये धन दिया गया था। इसका एक अर्थ ये भी है कि अपने माल को कम समय और कम खर्च में चीन तक पहुंचाने के लिए जो निर्माण किया गया उस पर पाकिस्तान को कर्ज दिया गया। ये कर्ज इतना अधिक है कि इसको चुकाने के लिए पाकिस्तान को विश्व के सामने हाथ फैलाना पड़ रहा है। बहरहाल, चीन का पाकिस्तान में केवल ग्वादर प्रोजेक्ट ही नहीं है बल्कि सीपैक या चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी है। पिछले माह ही चीन ने सीपैक के तीन नए कारिडोर पर काम करना शुरू किया है। भारत ने इस पर ये कहते हुए ऐतराज जताया है कि ये भारत की जमीन पर गैरकानूनी रूप से बनाया जा रहा है। इसकी घोषणा पीएम शहबाज शरीफ की बीजिंग यात्रा के दौरान की गई थी।

पीएम मोदी ने बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि योगदान को किया याद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता आंदोलन

को धार देने और आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने में उनके योगदान को याद किया। साथ ही पीएम मोदी ने बिरसा मुंडा को 'देश का महान सपूत' बताया। पीएम मोदी ने बिरसा मुंडा को 'देश का महान सपूत' बताते हुए कहा कि आज पूरा देश भगवान बिरसा मुंडा की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मना रहा है। मैं देश के महान क्रांतिकारी, महान सपूत भगवान बिरसा मुंडा को सादर नमन करता हूं। वह न केवल हमारी राजनीतिक स्वतंत्रता के नायक थे, बल्कि वे हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा के संवाहक भी थे। बिरसा मुंडा की जयंती पर पीएम मोदी ने ट्विटर पर जारी किए अपने वीडियो संदेश में कहा कि मैं इसे अपनी सरकार का सौभाग्य मानता हूं कि उन्हें 15 नवंबर (बिरसा मुंडा की जयंती) को जनजातीय गौरव दिवस (ल्र्ीूर्ग्रे र्ळेल्न् अ) घोषित करने का अवसर मिला। बता दें कि अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करने वाले प्रतिष्ठित आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि मुंडा जनजाति से संबंध रखने वाले बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को हुआ था। 19वीं शताब्दी के अंत में ब्रिटिश शासन के दौरान उन्होंने आधुनिक बिहार और झारखंड के आदिवासी बेल्ट में एक भारतीय जनजातीय धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया था। बिरसा मुंडा की जयंती झारखंड स्थापना दिवस के साथ मेल खाती है।

नलिनी ने खुद को बताया कांग्रेसी कहा- राजीव गांधी की हत्या के बाद दुखी था हमारा परिवार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के 6 दोषियों में शामिल नलिनी श्रीहरन को 12 नवंबर को तमिलनाडु की जेल से रिहा कर दिया गया है। मंगलवार (15 नवंबर) को पत्रकारों से बात मेरा नाम लिया गया। मुझे इस दोष से मुक्त होना चाहिए। हमें नहीं पता कि राजीव गांधी की हत्या किसने कीठ नलिनी श्रीहरन ने मगंलवार को पत्रकार से बातचीत के दौरान राज्य और केंद्र सरकार से 4 श्रीलंकाई नागरिकों को रिहा करने तमिलनाडु की जेल से रिहा हुई थी। नलिनी को उनके पति वी श्रीहरन उर्फ मुरगन से पहले रिहा किया गया। अपनी रिहाई के बाद नलिनी ने पत्रकारों से बात करते हुए खुद को निर्दोष बताया और कहा दृढ विश्वास ने उसे इतने वर्षों तक जीवित रखा।

करते हुए नलिनी ने खुद को निर्दोष बताया ह नलिनी ने पत्रकारों से बात करते समय कहा, ठकुछ लोग हमारी रिहाई का विरोध कर रहे हैं। हम एक कांग्रेसी परिवार हैं। जब इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या हुई, तो हमारा परिवार दुखी था और खाना तक नहीं खाया था। मैं यह स्वीकार नहीं कर सकती थी कि राजीव गांधी की हत्या में की अपील भी की है। उन्होंने कहा, मैं राज्य और केंद्र सरकार से अपील करती हूं कि वे 4 श्रीलंकाई नागरिकों को रिहा करें, जो त्रिची विशेष शिविर में बंद हैं, जिसमें मेरे पति भी शामिल हैं। जेल से रिहा होने के बावजूद यह विशेष शिविर फिर से एक जेल की ही तरह है पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड की दोषी नलिनी श्रीहरन 3 दशक की कैद के बाद वेल्लोर स्थित महिलाओं की विशेष जेल से रिहा होने के बाद नलिनी ने कहा कि ठमैं अपने परिवार के साथ रहना चाहती हूं। मेरे परिवार के सभी सदस्य इतने लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। मैं राज्य और केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने इस दौरान हमारी बहुत मदद की। उन्होंने आगे कहा कि मैं गांधी परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने की योजना नहीं बना रही हूं।

सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी में बनेगा 12 बेड का एनआइसीयू और 30 बेड का वार्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं को अगर इलाज की जरूरत पड़ती है तो कई बार रेफर होना पड़ता है। इसलिए कि केवल 24 बेड का एसएनसीयू (स्पेशल न्यू बर्न केयर यूनिट) अक्सर भरा रहता है। भविष्य में नवजात शिशुओं को रेफर न करना पड़े। इसके लिए डा. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में 12 बेड का न्घ्ण्ळ (नियोनेटल इंटेसिव केयर यूनिट) और 20 बेड का वार्ड बनाने की तैयारी शुरू हो गई है।यह भारत सरकार की विशेष

योजना है। कोविड काल में तीसरी लहर में जब बच्चों में बीमारी फैलने का खतरा पैदा हो गया था। तभी से महसूस किया जाने लगा कि बच्चों के लिए भी एनआइसीयू की संख्या बढ़ाई जाए। हालांकि 50 करोड़ के अस्थायी अस्पताल में 100 बेड बच्चों के लिए निर्धारित थे, लेकिन अब उस अस्पताल को हटा दिया गया है। पिछले कुछ समय से राजकीय मेडिकल कालेज प्रशासन ने बाल रोग विभाग में एनआइसीयू की जरूरत बताते हुए प्रस्ताव शासन को भी भेजा था। अब शासन ने भारत सरकार की इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह योजना करीब ढाई करोड़ रुपये की है।अस्पताल में पर्याप्त जगह न होने की वजह से इस एनआइसीयू को मेडिसिन विभाग की छत पर बनाया जाएगा। सोमवार को निर्माण करने वाली हिंदुस्तान स्टील वर्क्स लिमिटेड दिल्ली के ठेकेदार और उनकी टीम पहुंची थी। निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है। एसटीएच के बाल रोग विभाग में 24 बेड का एसएनसीयू है। यह एनएचएम की ओर से संचालित है। इसके अतिरिक्त चार बेड का एक और एनआइसीयू बना है, लेकिन अभी यह चालू नहीं हो सका है। प्राचार्य प्रो. अरुण जोशी ने बताया कि बाल रोग विभाग में गहन चिकित्सा कक्ष की जरूरत है। इसके लिए शासन को लिखा गया था। 12 बेड का एनआइसीयू और बन जाएगा तो कुमाऊं भर के मरीजों को राहत मिलने लगेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज से मध्य प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज (15 नवंबर) से मध्य प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज मध्य प्रदेश के शहडोल के लालपुर में आदिवासी गौरव दिवस समारोह में मुख्य

अतिथि के रूप में भाग लेंगी। ये है राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कार्यक्रम भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मध्य प्रदेश में पेसा अधिनियम के कार्यान्वयन की अध्यक्षता भी करेंगी। इसके अलावा राष्ट्रपति मुर्मु शाम को वर्चुअली तौर पप भोपाल से दो परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगी। बता दें कि राष्ट्रपति 16 नवंबर को भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में महिला स्वयं सहायता समूह सम्मेलन में भी भाग लेंगी।जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 15 नवंबर को सुबह 11:30 बजे जबलपुर पहुंचेंगी और दोपहर 12.25 बजे शहडोल रवाना होंगी। इसके बाद दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति शहडोल के लालपुर में आदिवासी गौरव दिवस समारोह में शामिल होंगी। वह दोपहर 3 बजे शहडोल से चलकर 3:55 बजे जबलपुर और शाम 5:25 बजे भोपाल पहुंचेंगी। इसके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ग्वालियर राजभवन से मंगलवार शाम 6:30 बजे सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के रातापानी, औबेदुल्लागंज-इटारसी चार लेन सड़क परियोजना (एनएच-46) और रक्षा मंत्रालय की अधिकतम माइक्रोबियल नियंत्रण प्रयोगशाला (बीएसएल 4) की आधारशिला रखेंगी। राष्ट्रपति 16 नवंबर को सुबह 11:30 बजे मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में एक महिला योग सहायता समूह द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में भाग लेंगी। वह दोपहर 12:55 बजे भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

मोबाइल छीनने का विरोध पर युवक को मार दी गोली

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । बाइक सवार तीन युवकों ने मंगलवार दोपहर में साइकिल सवार का मोबाइल छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर उसे गोली मारकर भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने बताया कि झूंसी का रहने वाला 19 वर्षीय शुभम यादव साइकिल से परेड होते हुए जा रहा था। इस दौरान रास्ते में बाइक सवार तीन युवक पहुंचे और उसका मोबाइल छीनने की कोशिश की। आरोप है कि विरोध करने पर उसे मारा-पीटा और उसके पैर में गोली मार दी। जख्मी शुभम गोली लगने के बाद भागा। रास्ते में पुलिस को सूचना दी। दारागंज पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर कीडगंज पुलिस जांच कर रही है। घटनास्थल कीडगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार क्राइम कंट्रोल ब्यूरो महिला विंग ने ड्राइंग कंपटीशन करवाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार क्राइम कंट्रोल ब्यूरो महिला विंग प्रयागराज टीम ने ग्हग्दिस वे्म्ददत् मैं बच्चों का ड्रेस कंपटीशन और ड्राइंग कंपटीशन करवाया और उन बच्चों को उपहार केक मिठाइयां चिप्स पेंसिल रबर कलर बहुत सारी चीजें बाटी गई। इसमें सभी का बहुत सहयोग रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शामिल रही प्रयागराज महिला विंग अध्यक्ष श्वेता साहू, संरक्षिका नीता भारद्वाज, संरक्षिका मीरा सिंह, सलाहकार डॉ नम्रता जयसवाल, सलाहकार डॉ रश्मि सिंह, एक्टिव मेंबर। भावना जयसवाल, शालिनी गुप्ता,ज्योति भाटिया। और कई नए वालंटियर भी शामिल रहे। कार्यक्रम में मीडिया ऑफिसर विलास गुप्ता, मीडिया ऑफिसर अनूप कुमार सोनी जी मौजूद रहे।

अमिलिया तरहार में महिला डॉक्टर न होने की शिकायत मिली है जल्द होगा समाधान-उप जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । क्षेत्र के अमिलिया गांव स्थित महिला अस्पताल में डाक्टर व नर्श की तैनाती नहीं है।जिससे महिलाओं को इलाज शुक्ला, तहसील अध्यक्ष आशीष मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता रूपेश त्रिपाठी, भाजपा महामंत्री जसरा नीरज केसरवानी ने उपजिलाधिकारी बारा को

के लिए बीस किलोमीटर दूर शंकरगढ़ व जसरा जाना पड़ता है।अस्पताल में महिला डाक्टर की तैनाती कराने के लिए मंगलवार को भाजपा के जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी, पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज के जिलाध्यक्ष सुभाष शिकायती पत्र देकर महिला डाक्टर व नर्श के तैनाती की मांग किया है। उपजिलाधिकारी बारा अब्दुल्लाह सुदन ने बताया की मामले की जानकारी नहीं थी शिकायत मिली है पत्र के माध्यम से ज़िलाधिकारी को अवगत कराया जाएगा।

एनएसयूआई के छात्र नेताओं पर हुए हमले के विरोध में कांग्रेसियों ने एसएसपी को दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । हिंदू हॉस्टल चौराहे पर शनिवार रात को एनएसयूआई कर बदमाशों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश महासचिव प्रभारी

के छात्र नेताओं पर कुछ अराजक तत्वों द्वारा किए गए हमले के विरोध में पुलिस की कार्यवाही से असंतुष्ट होकर कांग्रेस जनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडेय को मंगलवार को ज्ञापन सौंपा। शहर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन ने एसएसपी से न्यायपूर्ण कार्यवाही प्रयागराज श्राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव वसीम अंसारी, सुभाष चंद्र पांडे, रघुनाथ द्विवेदी, अनूप त्रिपाठी, भोले सिंह,इरशाद उल्ला, अरशद अली अर्शी अनुपम श्रीवास्तव, अब्दुल कलाम आजाद, नफीस कुरेशी, दरक्षा कुरेशी, अजय पांडे बागी आदि लोग भी उपस्थित रहे ।

स्वदेश सेवा संस्थान में बच्चों के बीच मनाया गया बाल दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । में स्वदेश सेवा संस्थान के सांदीपनी शाखा पर बच्चों के बीच बाल दिवस मनाया) ,कमल कांत (थाना शिवकुटी) ,मंजीत सेखरन (थाना शिवकुटी) और प्रयागराज के ब्लागरों में शक्ति सिंह (प्रयागराज वाइब्स) , आदित्य

गया जिसमे में मुख्य मुख्य अतिथि के रूप में हसन जैदी ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट लखनऊ , रमेश चंद्र केशरवानी ,राजेश सिंह , अनिल भगत (चौकी प्रमुख शिवकुटी थाना नारायन (आदित्य फिकेशन) ,अभिषेक शुक्ला व उनकी टीम (ल्ह-व्हदैह प्रयागराज) , अफिक आदि लोग लोग मौजूद रहे ।। संस्थान पर बच्चों ने कार्यक्रम में लोक गीत , ग्रुप डांस व लोक नृत्य जैसे अन्य मोहक प्रस्तुतियों से सभी अतिथियों का स्वागत किया । मुख्य अतिथियों में जैदी सर , कमल कांत जी और रमेश चंद्र केशरवानी जी सभी ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी साथ ही बच्चों को टिफिन, बैग , बॉक्स आदि पुरस्कार देकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिए।। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में लोगों ने संस्थान के सेवा कार्य से जुड़ने के लिए सदस्यता लिया साथ ही स्वदेश सेवा संस्थान के सदस्य में सचिन सिंह ,देव , आलोक , दिव्यांशु , सूर्य प्रताप सिंह, आदित्य सिंह , आदित्य अनमोल, आनंद , व अन्य सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री आवास योजना का स्वीकृति पत्र एवं चाभी वितरण कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं चाभी वितरण गृह प्रवेश व सम्बोधन के कार्यक्रम का एल0ई0डी0 टी0वी0 पर सजीव प्रसारण दिखाया गया। मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण का अवलोकन विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, सांसद प्रतिनिधि अभिषेक पाण्डेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए आर0सी0 शर्मा, प्राचार्य अफीम कोठी शिव प्रकाश सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व लाभार्थियों द्वारा किया गया। इसी प्रकार अन्य विकास खण्डों में भी माननीय मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य सहित अन्य अतिथियों ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रतीकात्मक स्वरूप चाभी वितरण कर गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर विधायक सदर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गो को आवासीय सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत समाज के पिछड़े, वंचित एवं असहाय लोगों को आवास की सुविधा प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही है। इस योजना से गरीबों को आशियाना देने का कार्य किया जा रहा है।

कोविशील्ड वैक्सीन का भंडार खत्म, बूस्टर डोज लेने के लिए केंद्रों पर पहुंचे लोगों को किया गया वापस

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । कोविड प्रतिरक्षीकरण अभियान से जुड़े

स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की मानें तो 30 सितंबर तक बूस्टर डोज लगवाने की तिथि तय की गई थी। इस अवधि के बाद तक जो बची हुई डोज थी, वह लगवा दी गई। जिले में मंगलवार को कोविशील्ड वैक्सीन की डोज खत्म हो गई। कुछ केंद्रों पर बची वैक्सीन एक-एक कर लगाई जा रही थी, लेकिन अब वह भी नहीं रह गई। इसके साथ ही बच्चों को दी जाने वाली कार्वेवैक्स की भी डोज खत्म हो गई है। मांग भेजे जाने के बावजूद अभी तक शासन की ओर से न कोई सूचना आई है न ही कोई खेप। इससे अब टीकाकरण केंद्रों को समेटने की तैयारी कर ली गई है। कोरोना संक्रमण के रक्षात्मक उपायों के तौर पर बूस्टर डोज अभी तक सिर्फ 50 प्रतिशत लोगों को ही लगाई जा सकी है। इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ चार वैक्सीनेशन केंद्रों पर बूस्टर डोज लगाई जा रही है। इस बीच मंगलवार को कोविशील्ड वैक्सीन पूरी तरह खत्म हो गई। कोविशील्ड वैक्सीन खत्म होने की वजह से मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज समेत अन्य टीकाकरण केंद्रों पर डोज लेने के लिए पहुंचे लोगों को वापस होना पड़ा।कोविड प्रतिरक्षीकरण अभियान से जुड़े स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की मानें तो 30 सितंबर तक बूस्टर डोज लगवाने की तिथि तय की गई थी। इस अवधि के बाद तक जो बची हुई डोज थी, वह लगवा दी गई। अब वैक्सीन पूरी तरह खत्म होने की वजह से केंद्रों से लोगों को वापस करना पड़ रहा है। शासन की ओर से बूस्टर डोज लगवाने के लिए न तो अवधि बढ़ाई जा रही है और न तो वैक्सीन की खेप ही भेजी जा रही है। इसके साथ ही 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों को दी जाने वाली कार्वेवैक्स वैक्सीन की भी डोज खत्म हो गई है। इससे बच्चों का टीकाकरण भी ठप पड़ गया है। हालांकि पिछले माह को-वैक्सीन की 10 हजार जो डोज आई थी, वह अभी बची हुई है। लेकिन , ज्यादातार लोगों को कोविशील्ड लगी है। ऐसे में कोविलशील्ड खत्म होने से बूस्टर डोज नहीं लग पा रही है। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज,टीबी सप्रू अस्पताल, जिला महिला चिकित्सालय और आईएसआई अस्पताल नैनी में संचालित किए जा रहे वैक्सीनेशन केंद्रों को बंद करने की तैयारी कर ली गई है। वैक्सीन न होने से इन केंद्रों पर तैनात टीकाकरण कर्मियों को वापस बुला लिया जाएगा।30 सितंबर तक बूस्टर डोज लगाने की तिथि निर्धारित थी। इस तिथि को बढ़ाया नहीं गया है। साथ ही कोविशील्ड की डोज खत्म हो चुकी है। बच्चों की भी खुराक नहीं है। ऐसे में नई खेप न आने तक वैक्सीनेशन को लेकर दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसे में निजी केंद्रों पर बूस्टर डोज ली जा सकती है।

कर्मचारी की मौत पर उसके आश्रित मुआवजा पाने के अधिकारी हैं या नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा है कि वह कोर्ट को बताए कि जो कर्मचारी कोविड-19 की ड्यूटी में लगा रहा हो और बाद में उसका तबादला होने के बाद मौत हो जाती है तो वह सरकार की ओर से जारी मुआवजा पाने के शासनादेश का लाभ पाने का हकदार है कि नहीं। पर 22 जून 2021 के शासनादेश के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता कि कर्मचारी की मौत के समय वह कोविड-19 से हटाकर अलग ड्यूटी पर लगाया गया था। याचिका के अनुसार मृतक रमेश चंद्र तिवारी की पत्नी तारा तिवारी ने कोविड-19 में हुई पति की मौत के बाद लाभ पाने के लिए याचिका दाखिल की है। 22 जून 2021 को याची के पति की ड्यूटी 5 अक्तूबर 2020 से बिजली विभाग में संभावित हड़ताल के मद्देनजर लगा दी गई। 12 अक्तूबर 2020 को याची के पति को कोरोना से संक्रमित पाया गया था। बाद में कोरोना से उसकी मौत हो गई। विभाग ने याची को मुआवजा देने से इस आधार पर इन्कार कर दिया कि मौत के समय याची की ड्यूटी कोविड-19 से

कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 30 नवंबर 2022 की तिथि निर्धारित की है। यह आदेश जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा तथा जस्टिस चंद्र कुमार राय की खंडपीठ ने मृतक की पत्नी तारा तिवारी तथा दो अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर पारित किया है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता आलोक कुमार यादव का कहना था कि किसी भी कर्मचारी को केवल इस आधार जारी शासनादेश में यह शर्त है कि मृतक कर्मचारी मृत्यु के समय कोविड-19 से संबंधित सेवा में लगा रहा हो। याचिका में कहां गया कि याची का पति वाराणसी जिले के सदर तहसील में संग्रह अमीन के पद पर कार्यरत था। उसकी ड्यूटी कोविड-19 में लोगों की सहायता तथा दवा आपूर्ति के काम में लगाई गई थी। उसने यह काम 4 अक्तूबर 2020 तक किया। कहा गया कि संबंधित काम में नहीं थी। कोर्ट ने इस पर उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा है कि वह कोर्ट को बताए कि जो कर्मचारी कोविड-19 की ड्यूटी में लगा रहा हो और बाद में उसका तबादला होने के बाद मौत हो जाती है तो वह सरकार की ओर से जारी मुआवजा पाने के शासनादेश का लाभ पाने का हकदार है या नहीं। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 30 नवंबर 2022 की तिथि निर्धारित की है।

गोमती जोन के डीसीपी बने विक्रांत वीर, प्रबल प्रताप सिंह को डीसीपी ट्रैफिक का भार

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश के अनुसार एडीसीपी वरुणा जोन प्रबल प्रताप सिंह को कमिश्नरेट विस्तार के बाद पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्रों में बदलाव किया गया है। गठन के बाद बने नए गोमती जोन की कमान ए सतीश गणेश के अनुसार एडीसीपी वरुणा जोन प्रबल प्रताप सिंह को पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक और प्रोटोकॉल बनाया गया। वहीं,

पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक और प्रोटोकॉल बनाया गया। वहीं, आईपीएस कैंट एसीपी मनीष शांडिल्य को एडीसीपी वरुणा जोन बनाया गया है। वाराणसी में आईपीएस विक्रांत वीर को सौंपी गई है। वहीं, अब तक एसपी ग्रामीण रहे सूर्यकांत त्रिपाठी को पुलिस उपायुक्त अभिसूचना व सुरक्षा बनाया गया पुलिस आयुक्त आईपीएस कैंट एसीपी मनीष शांडिल्य को एडीसीपी वरुणा जोन बनाया गया है। अन्य अधिकारियों के कार्यक्षेत्रों में जल्द बदलाव के उन्होंने संकेत दिए हैं।

अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी के विवादित टिप्पणी मामले पर सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। असदुद्दीन ओवैसी और अखिलेश यादव द्वारा ज्ञानवापी पर दिए विवादित टिप्पणी के मामले में अदालत में सुनवाई होगी। ज्ञानवापी एआइएमआएएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से जुड़ा है। असदुद्दीन ओवैसी और अखिलेश यादव द्वारा ज्ञानवापी पर दिए विवादित टिप्पणी के मामले में अदालत में सुनवाई होगी। ज्ञानवापी मामले में दोनों नेताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। ये है पूरा मामला वाराणसी के रामेश्वर निवासी अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय की ओर से दाखिल वाद में मुकदमा सुनने योग्य है या नहीं, इस पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। उन्होंने ज्ञानवापी में वजू स्थल के पास मिले कथित शिवलिंग के पास गंदगी फैलाने और शिवलिंग को लेकर बयानबाजी कर धार्मिक

मामले में दोनों नेताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के एक मामले पर आज सुनवाई होनी है। मामला सपा प्रमुख अखिलेश यादव और भावना भड़काने, नारेबाजी के मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और एआईएमआईएम चीफ असुद्दीन ओवैसी समेत शहर काजी और मौलवी पर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचे सीएम योगी भाजपा नेताओं ने किया जोरदार स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। हेलीकॉप्टर से सोनभद्र के लिए रवान वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट के एप्रन पर भाजपा के नेताओं ने स्वागत किया। 12:40 बजे सोनभद्र के लिए उड़ान भरा स्वागत करने वालो में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा विधायक सौरभ चंद्र श्रीवास्तव विद्यासागर राय भाजपा नेता शैलेश पांडे पवन सिंह सहित अन्य नेताओं ने स्वागत लोकार्पित होने वाली परियोजनाओं में एकलव्य विद्यालय के अलावा स्वास्थ्य विभाग की एक, आरआईडीएफ की छह, जिला खनिज फाउंडेशन की छह, त्वरित आर्थिक विकास योजना की 10, पीएमजीएसवाई की 25, कृषि विभाग

उसके बाद मुख्यमंत्री सोनभद्र के लिए रवाना हुए। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशेष विमान से दोपहर 12:30 बाबतपुर वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट के एप्रन पर भाजपा के नेताओं ने स्वागत किया। उसके बाद मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर से दोपहर किया,इस दौरान कमिश्नर कौशल राज शर्मा एसपी ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी सीआईएसफ के सीनियर कमांडेंट अजय कुमार सहित आला अधिकारी मौजूद रहे।बता दें कि सोनभद्र में मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों की 195.80 करोड़ की 56 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। वहीं 379.63 करोड़ की 177 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। की 2, जनजाति कल्याण विभाग की एक, पशुधन विभाग की एक, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन योजना के तहत तीन, यूपीएसआरएलएम की एक परियोजना शामिल है। वहीं जिला खनिल फाउंडेशन की 151, पीएमजीएसवाई की 17, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बेसिक शिक्षा विभाग की एक, साडा की दो परियोजनाओं का शिलान्यास होगा।

गोरखपुर में दो बेटियों के साथ क्यों फंदे से लटक गया पिता रुला देगी गरीबी की यह दास्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर । गोरखपुर जिले से तीन लोगों की आत्महत्या से सनसनीखेज फैल गई है। यहां शाहपुर इलाके में गीता वाटिका स्थित घोसीपुरवा में पिता और दो बेटियों ने दुपट्टे के सहारे फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर एसपी सिटी और फॉरेंसिक टीम जांच पड़ताल करने के बाद शव को गुठनी थाना क्षेत्र सिवान के रहने वाले हैं। घोसीपुरवा में तीस साल से मकान बनवा कर रहते हैं।ओम प्रकाश के बड़े बेटे जितेंद्र श्रीवास्तव (45) अपनी दो बेटियों और पिता के साथ रहते थे। जितेंद्र श्रीवास्तव घर में ही सिलाई का काम करते थे। गांव से आते समय मैरवा स्टेशन पर 1999 में ट्रेन से गोरखपुर आते समय एक पैर कट पिता ओमप्रकाश प्राइवेट गार्ड का काम करते हैं। सोमवार की रात शहर में ड्यूटी पर गए थे। सुबह मकान पहुंचे तो एक कमरे में बेटा और दूसरे कमरे में दो बेटियों के शव दुपट्टे के सहारे लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर से मिले दो मोबाइल फोन और

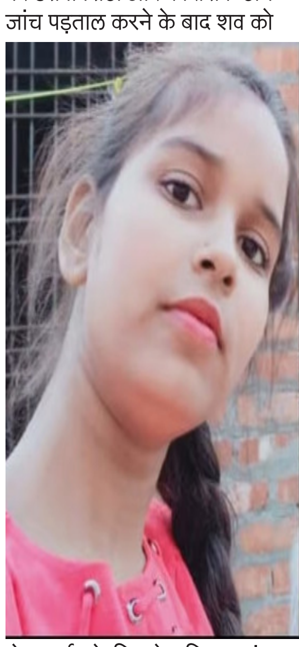

सुसाइड नोट की पुलिस जांच कर रही है। दोनों बच्चियों की पांच-पांच महीने की स्कूल फीस बकाया थी। मगर, स्कूल प्रबंधन का दावा है कि स्कूल फीस को लेकर उनके द्वारा कोई दबाव अभिभावकों पर या बच्चियों पर नहीं बनाया गया था। दोनों छात्राएं पढ़ने में भी अच्छी थीं। खासकर मान्या पढ़ने के साथ गैर शैक्षणिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच में पता चला कि बच्चियों की फीस पांच महीने से बकाया थी। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के गीता वाटिका स्थित घोसीपुरवा निवासी ओमप्रकाश श्रीवास्तव के दो बेटे हैं। दोनों अलग बगल के मकान में रहते हैं। ओमप्रकाश मूल रूप से बिहार के गया था। कृत्रिम पैर के सहारे घर में ही सिलाई का काम करते थे जबकि उनकी पत्नी सिम्मी की दो साल पहले कैंसर से मौत हो गई थी। उनकी दोनों बेटियां मान्या श्रीवास्तव (16) और मानवी श्रीवास्तव (14) आवास विकास स्थित सेन्ट्रल एकेडमी में कक्षा नौ और सात में पढ़ती थीं। मृतक के लेती थी। स्कूल प्रबंधन की ओर से बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भी मान्या ने हिस्सा लिया था। साथियों और शिक्षकों का कहना है कि किसी भी प्रकार का दबाव बच्ची के ऊपर नजर नहीं आ रहा था। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि बच्चियों की आर्थिक स्थिति से उनके पिता द्वारा अवगत कराया गया था।

पान मसाला एसएनके पर इनकम टैक्स की रेड, पम्मी पांडेय के ठिकानों को खंगाल रही टीम

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। में पम्मी पांडेय के ठिकानों पर आयकर ने छापा मारा है। पान मसाला फैक्ट्री में आयकर विभाग की छापेमारी से हड़कंप मच गया। पांडेयपुर समेत कई ठिकानों विभाग की छापेमारी से इलाके में खलबली मच गई। वहीं मौक़े पर मौजुद किसी भी कर्मी को बाहर जाने की इजाजत नहीं दी गई है। बता दें कि कुछ महीने पहले सीजीएसटी की दिल्ली टीम ने इसी

पर एक साथ छापेमारी की जा रही है। फैक्ट्री में मौजूद किसी को बाहर जाने की इजाजत नहीं। पांडेयपुर में प्रेमचंद नगर कालोनी के दारोगा पुत्र गुटखा व्यवसायी कृष्णकांत पांडेय उर्फ पम्मी पाण्डेय के आवास से लेकर कई ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा है। आयकर ठिकाने पर छापेमारी की थी। इस दौरान कई करोड़ रुपये की पेनाल्टी भी लगाई गयी थी। वाराणसी के अलावा लखनऊ स्थित ठिकाने पर भी छापेमारी की सूचना मिल रही है। कानपुर, दिल्ली में पान मसाला बनाने वाले कुरेले ग्रुप के कई ठिकानों पर छापेमारी जारी है।

गोरखपुर में मिले डेंगू के नौ नए मरीज, संख्या पहुंची 222

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर । गोरखपुर में डेंगू संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सोमवार को हुई जांच में एक बच्चे समेत नौ लोग डेंगू संक्रमित मिले हैं। इसके बाद जिले में कुल डेंगू मरीजों की संख्या 222 हो गई है। इसमें शहर के 142 और ग्रामीण क्षेत्र के 80 मरीज हैं। हालांकि, इनमें 23 सक्रिय मरीज हैं। इनमें आठ अस्पताल में भर्ती हैं। शेष 15 का इलाज घर पर चल रहा है जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह ने बताया कि नरसिंहपुर, अलहदादपुर, दीवान बाजार, निजामपुर, आर्य नगर, मिर्जापुर, माया बाजार, जिला अस्पताल और बहरामपुर में एक-एक मरीज डेंगू के मिले हैं। इनकी उम्र क्रमशः 20, 24, 40, 53, 50, 58, 29, 26, 12 वर्ष हैं। इन मरीजों के सत्यापन के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम निजामपुर, मिर्जापुर के गोरियाना टोला और इलाहीबाग में गई थी, जहां पर चार घरों में मच्छरों के लार्वा मिले हैं। इन्हें नोटिस देकर हिदायत दी गई है कि अगर दूसरी बार लार्वा मिलते हैं तो जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा 385 स्थानों पर सोर्स रिडक्शन किया गया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के प्रो डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि डेंगू के मरीज घबराएं नहीं। यह जानलेवा नहीं है। समय से इलाज कराने पर यह ठीक हो जाता है। डेंगू होने पर पानी का सेवन है। अब डेंगू की जांच 1,000 से 1500 रुपये के बीच होगी। जबकि, प्लेटलेट्स चार सौ से 13 हजार रुपये के बीच मरीजों को मिलेगा। सीएमओ डॉ. आशुतोष कुमार दुबे के साथ सोमवार को हुई बैठक में

ज्यादा करें, नींबू-नमक-पानी का घोल लें। फल और पौष्टिक आहार लें। विटामिन सी और जिंक लें। पेट खराब होने पर एंटीबायोटिक का कम से कम इस्तेमाल करें। क्योंकि, इससे प्लेटलेट्स घटने की आशंका कम हो जाती है। ताजा दही और ओआरएस घोल लें। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने निजी पैथोलॉजी और रक्तकोष में डेंगू जांच व प्लेटलेट्स का शुल्क तय कर दिया यह फैसला लिया गया है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. शिव शंकर शाही और मीडिया प्रभारी डॉ. इमरान अख्तर ने बताया कि सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (यह रक्तदाता के खून से निकालकर तत्काल तैयार किया जाता है) की कीमत 11000 रुपये है। यदि रक्तदाता का रक्त समूह, मरीज के रक्त समूह से मेल नहीं खाता है, तो उसमें केमिकल डाला जाता है, जिसकी कीमत दो हजार रुपये है।

सीधे प्रवेश

100% Placement

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

15% Fee Concession

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) — फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर — वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी — सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग — रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन — सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं — बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्टिक मैकैनिक — कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

सामूहिक दुष्कर्म के चार आरोपियों पर गैंगस्टर जेल में बिता रहे जिंदगी

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर ।सामूहिक दुष्कर्म के चार आरोपियों के खिलाफ कैंपियरगंज पुलिस ने गैंगेस्टर का मुकदमा दर्ज किया है। एसपी नार्थ मनोज कुमार अवस्थी ने बताया कि सामूहिक इलाके के एक गांव की रहने वाली किशोरी के साथ चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। मामले में पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर केस दर्ज किया था। आरोपियों की पहचान ब्रह्मदेव

दुष्कर्म के आरोप में जेल गए चारों बदमाश संगठित अपराध करते हैं। इसकी वजह से उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। इसके अलावा अभी उनके खिलाफ जब्ती सहित अन्य कार्रवाई साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी। एसपी नार्थ मनोज कुमार अवस्थी ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में जेल गए चारों बदमाश संगठित अपराध करते हैं। इसकी वजह से उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक, कैंपियरगंज यादव, विकास यादव, शैलेष यादव, मनीष कुमार यादव, निवास ग्राम इंदरपुर थाना कैंपियरगंज के रूप में की गई थी। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया था जहां से वह जेल भेज दिया था। इसके बाद पुलिस इनके खिलाफ जांच कर रही थी। जांच में यह बात सामने आई है कि ये लोग संगठित होकर अपराध को अंजाम देते हैं। इनके खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

डीएवी पब्लिक स्कूल खडिया में बाल दिवस हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
शक्तिनगर / सोनभद्र ।डीएवी पब्लिक स्कूल खड़िया में आज पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के जन्मदिन इन महापुरुषों के आदर्शों एवं प्रेरक प्रसंगों की चर्चा करते हुए उसे विद्यार्थियों को अपने जीवन में उतारने का संदेश दियात् इस अवसर पर अध्यापकों के साथ प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडेय जी ने दैनिक हवन भजन संपन्न कर अपने आशीर्वचन दिए तथा साथ ही साथ सीनियर छात्रों

को बाल दिवस एवं महात्मा हंसराज जी के निर्वाण दिवस को स्वर्गारोहण दिवस के रूप में मनाया गया सर्वप्रथम प्रार्थना सभा में प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडेय जी ने इन दोनों महान विभूतियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा अपने संबोधन के दौरान हिंदी शिक्षक अर्जुन मिश्रा ने भी दोनों महान विभूतियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला, तथा कक्षा तृतीय से लेकर पांचवीं तक के छात्रों ने अपने समूह गीत की मन मोहक प्रस्तुति देकर बाल दिवस को सफल बनाया तदुपरांत इस पावन अवसर पर कक्षा 12वीं की छात्र-छात्राओं एवं एवं अध्यापकों के बीच मित्रवत क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन कर छात्रों का उत्साहवर्धन किया गयात् जिसमें सर्वप्रथम प्राचार्या महोदया ने बैटिंग कर मैच प्रतियोगिता का शुभारंभ किया दर्शक एवं प्रतिभागी छात्रों के रूप में सभी ने बाल दिवस को हर्षोल्लास पूर्वक मनाया ।

दो हादसों में दो युवकों की गई जान

(आधुनिक समाचार सेवा)
बीजपुर/चुर्क। दो थाना क्षेत्रों में अलग-अलग हुए हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। बाइक सवार एक युवक की जान हाइवा की चपेट में आने से जान चली गई जबकि दूसरे की मौत तालाब में मछली मारने के दौरान डूबने से हुई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीजपुर : लीलाडेवा निवासी देवब्रत (32) बाइक से अपनी ससुराल बभनडीहा से सोमवार की शाम वापस अपने घर लौट रहा था। रेणुकूट-बीजपुर बाईपास मार्ग पर नधिरा के पास एक हाइवा ट्रक पीछे से बाइक में टक्कर टक्कर मारते हुए निकल गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को म्योरपुर चिकित्सालय पहुंचाया। डॉक्टर ने घायल की हालत गंभीर देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे एंबुलेंस से लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक के बच्चे हैं। मौत की खबर मिलते ही परिजन बिलख उठे। मंगलवार को सदर कोतवाली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

जड़ी-बूटियों का करें प्रचार जंगल से पैदा होगा रोजगार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। वनवासी समागम में शामिल होने बभनी पहुंचे मुख्यमंत्री प्रतिबद्धता जताई। इसके लिए जंगल की जड़ी-बूड़ी, पर्यटन को माध्यम बनाने पर जोर दिया। प्रदेश में पहुंचाने के लिए यहां के युवाओं को आयुर्वेद के जानकारों से सामंजस्य बनाने की जरूरत

योगी आदित्यनाथ ने आदिवासियों के गौरवशाली अतीत और परंपराओं का जिक्र किया तो उन्हें तरक्की के नए रास्ते भी सुझाए। जंगल से जुड़कर युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने पर सरकार की मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनभद्र वन औषधियों की खान है। यहां के जंगलों में नाना प्रकार की जड़ी-बूटियां मौजूद हैं, जिनसे यहां के लोग भली-भांति वाकिफ है। इन जड़ी-बूटियों के महत्व को पूरे देश-है। जंगल में ईको टूरिज्म की संभावनाएं बताते हुए युवाओं को पर्यटन गाइड के रूप में कॅरियर का विकल्प सुझाया। कहा कि प्रदेश सरकार इसके लिए हरसंभव मदद देने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सोनभद्र के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यूपी में 15 जातियां जनजाति के रूप में सूचीबद्ध है। सोनभद्र ऐसा जिला है, जिसमें 13 जातियां न सिर्फ एक साथ रह रही हैं, बल्कि सृष्टि के बदलावों के साथ संघर्ष करते हुए अपने अस्तित्व को बरकरार भी रखे हैं। संभवतः देश का पहला जिला है, जहां एक साथ इतनी जनजातियों का समन्वय है। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी भी जनजातीय परिवार को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं होना पड़ेगा। इस दौरान सेवा समर्पण संस्थान के अध्यक्ष एसएन राय, सेवाकुंज आश्रम के अध्यक्ष श्रीराम पाठक, मनीराम पाल, कृपाशंकर भगत आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. लखनराम जंगली ने किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान आदिवासी कल्याण के लिए कार्य कर रहे अखिल भारतीय वनवासी सेवा आश्रम से संबद्ध सेवा समर्पण संस्थान के प्रयासों को सराहा। कहा कि संस्था ने आजादी के बाद से ही अब तक वनवासी समाज को समाज की मुख्य धारा से जोड़ते हुए प्रगति पथ पर अग्रसर किया। संस्थान ने अपने व्यक्तिगत खर्चों से जनजाति छात्रों को पठन-पाठन की उत्तम व्यवस्था देकर उन्हें सफल बनाकर देश के विकास में अप्रतिम योगदान को रेखांकित किया।

निगमों की मनमानी के खिलाफ 29 से शुरू होगा अनिश्चितकालीन प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा। तापीय परियोजना सहित अन्य ऊर्जा प्रबंधनों में व्याप्त समस्याओं की सुनवाई न होने की दशा में मंगलवार को विद्युत कर्मचारी की कार्यशील, निर्माणाधीन तथा प्रक्रियाधीन परियोजनाओं तथा मुख्यालय के लिए आधारभूत संगठनात्मक ढांचा अनुमोदित हुआ था। इसी तरह इकाईयों का भी

संयुक्त संघर्ष समिति के प्रांत व्यापी जन जागरण कार्यक्रम के तहत परियोजना गेट पर विरोध सभा आयोजित की गई। सभा में शीर्ष प्रबंधन के दमनात्मक रवैये के विरोध व ज्वलन्त समस्याओं के समाधान पर चर्चा हुई। मांगे पूरी न होने पर 29 नवंबर से बेमियादी धरना शुरू करने का निर्णय लिया गया। अदालत वर्मा ने कहा कि उत्पादन निगम के निदेशक मण्डल की 169वीं बैठक में उत्पादन निगम पुनर्गठन किया जाना था लेकिन परियोजनाओं और निगम मुख्यालय पर इस कार्यालय ज्ञापन के अनुसार पुनर्गठन कर तैनाती अभी तक नहीं की है। हक पाने के लिए बिजली कर्मचारी, अवर अभियंता व अभियंता आगामी दिनों में बेमियादी प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान सचिन राज यादव, अभिषेक सिंह, मनोज सिंह, विवेक सिंह, सुमन झा, श्याम बिहारी सिंह उपस्थित रहे।

हाईवा ने मैजिक को मारा धक्का, दर्जन घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के वैष्णो मंदिर के पास हाइवा ने मैजिक गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दिया जिसमें दर्जनों मैजिक सवार घायल हो गए। प्राप्त कुमारी पुत्री रामचरण उम्र20 वर्ष निवासी उपरोक्त, सुकमा पुत्री शोभित लाल उम्र18 वर्ष, शुकवरिया पत्नी दिग्गज उम्र 55 वर्ष निवासी उपरोक्त, दिलदार पुत्र रामनरेश निवासी खमरिया थाना बभनी उम्र

जानकारी के अनुसार बीते सोमवार की देर रात लगभग 11 बजे के स्थानीय चौकी थाना क्षेत्र के मां वैष्णो देवी मंदिर के पास ट्रीपल एक्स होटल के सामने चोपन के तरफ से आ रही मैजिक गाड़ी को पीछे से आ रही हाईवा ने साइड से धक्का मार दिया इस संबंध में चोपन थानाध्यक्ष लक्ष्मण पर्वत ने जानकारी देते हुए बताया कि मैजिक सवार सोनू कुमार पुत्र राम चरण निवासी झिलो थाना बीजपुर सोनभद्र उम्र करीब 16 वर्ष रिंकी 25 वर्ष, रामबरन पुत्र राम दुलारे निवासी झिला थाना बिजपुर 40 वर्ष, वीरमत पुत्र सूरज लाल निवासी खमरिया थाना बीजपुर 15 वर्ष, रासमणि पुत्र रामनाथ निवासी उपरोक्त उम्र 15 वर्ष, विजय पुत्र हवाई लाल निवासी झीलो थाना बीजपुर उम्र 18 वर्ष, सोनमती पत्नी शोभित लाल पता उपरोक्त उम्र 25 वर्ष घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार गुप्ता ने सभी घायलों को उपचार हेतु सीएचसी चोपन भेजवा दिया गया।

बाल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र।सेपिएन्ट इंटरनेशनल अकैडमी, आर एस नगर, खानहना, सिंगरौली में 14 नवम्बर 2022 को बाल दिवस के अवसर पर एनुअल स्पोर्ट्स डे का आयोजन विद्यालय प्रांगण हुआ । जिसमे भारी संख्या में लगभग हज़ारो लोग पधारे, उसमे अभिभावकों गण के अलावा समाज के अन्य प्रबुद्ध जन भी मौजूद मौजूद रहें । कार्यक्रम की शुरुवात मुख्य अतिथि एवं क्षात्र क्षात्राओं द्वारा पंडित जवाहर लाल नेहरु के चित्र पर माल्यार्पण कर में दीपिका सिंह जी, अनुपमा सिंह जी, अंजू सिंह जी, नीतू सिंह जी, अनामिका सिंह जी, विम्मी जी, रंजू सिंह जी,वंदना सिंह जी, रिंकू सिंह जी, नीतू कुरुवांसी जी उपस्थित रहीं। खेल दिवस की शुरुआत में मुख्य अतिथि एवं विषिस्ट अतिथियों का विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुष्पगुच्छ भेट कर अतिथियों का स्वागत किया गया । इस दौरान विद्यालय के क्षात्र-क्षात्राओं द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट के माद्यम से मुख्य अतिथि को सलामी दी व विद्यालय के उत्कृष्ट एथलीटों द्वारा मशाल दौड़ उपरांत मुख्य अतिथि के आसमान में रंग-लगभग 17 केंद्रों पर उपलब्ध करवाई ताकि बच्चों की पढाई में जितना हो सके कम व्यवधान हो और बच्चों को थोड़ी देर मोबाइल से दूर रखा जा सके । विद्यालय का पूरा केंद्र सिंगरौली और सोनेभद्र के बच्चों के समपूर्ण विकास के लिए है । जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ता गया सेपिएन्ट इंटरनेशनल अकैडमी में खेलों की स्पर्धाएं भी रोमांचक होने लगी जैसे ही मार्शल आर्ट और पिरामिड से बच्चों ने अलग अलग आकृतियाँ बनाई वहां बैठे सभी गणमान्य और अभिभावक मंत्रमुग्ध रह गए और तालियाँ बजा कर बच्चों को प्रोत्साहित किया ।

पुष्पांजलि से हुई । इस मौके पर डॉ. उमा शंकर जी सेवानिवृत्त सी.एम्.एस. (एन.सी.एल) मौजूद रहे । विषिस्ट अतिथि के रूप में वीरेंदर गोयल जी (भारतीय जनता पार्टी, सिंगरौली जिलाध्यक्ष), श्री आर.एन सिंह जी (रिटायर्ड जी.एम्. एन.सी.एल), बसंत सिंह जी, शेषनाथ सिंह जी, दया शंकर सिंह जी, ज्ञानेंद्र सिंह जी, थाना प्रभारी मोरवा यू.पी.सिंह जी, मनीष त्रिपाठी जी, अनुपम जैसवाल जी, के. के. जैसवाल जी, प्रद्युमन सिंह जी, पवन अग्रवाल जी, भूपेंद्र गर्ग जी, रजू सिंह जी, कृष्णा सिंह जी उपस्तिथ रहें । प्रबुद्ध महिलाओं बिरंगे बैलून छोड़े जाने के उपरांत शुभारंभ की घोषणा के साथ खेल स्पर्धाओं का शुभारंभ हुआ । इस अवसर पर चेयरमैन श्री संजय प्रताप सिंह ने स्वागत भाषण के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं कहा कि मैं इस विद्यालय के माध्यम से आस पास के सभी शहरी एवं ग्रामीण अंचल के विकास के लिए सदा तत्पर हैं आगे अपने भासन में श्री सिंह ने ये भी बतलाया की पूरे संभाग में कोरोना काल ये एक मात्र स्कूल था जिसने बिना (सोनभद्र) से मोरवा, मैंडोली (सिंगरौली) तक के बच्चों के पढ़ने के लिए वीकली असाइनमेंट की कॉपी तरह तरह के कार्यक्रम ने सभी लोगों को बांध कर रखा चाहे वो नर्सरी कक्षा के बच्चों का क्राव्लिंग रेस हो या 11वि के बच्चों का 400मी. रेस । कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए स्कूल प्रिंसिपल ने कहा की हमारे विद्यालय में खेल-कूद को काफ़ी महत्वा दिया जाता है । यह देख कर काफ़ी अच्छा लगता है आज खेल-कूद में बच्चों के साथ-साथ अभिभावक भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं । फेकल्टी स्टाफ और विद्यार्थियों के इसी उतसाह के वजह से सेपिएन्ट इंटरनेशनल अकैडमी अच्छा प्रदर्शन करता रहा है । चीफ गेस्ट श्री उमा शंकर जी ने बेस्ट अथलीट बॉय का इनाम 10वि के छात्र सागर सिंह और बेस्ट अथलीट गर्ल 11वि की छात्रा ख़ुशी यादव को उनके उत्क्रिस्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया । अपने भाषण में श्री उमा शंकर जी सभी विद्यार्थियों को बाल-दिवस की शुभकामनाएँ दी और उन्होंने बताया की आज के दिन वर्ल्ड डाईबिटिज़ डे भी मनाया जाता है । उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को जानकारी दी अगर डाईबिटिज़ को नियंत्रित रखना है तो स्पोर्ट्स से जुड़े रहना होगा । स्पोर्ट्स का मतलब फिजिकल एक्टिविटी आप जितना स्पोर्ट्स से जुड़े रहेंगे ये बीमारी उतना ही आप से दूर रहेगी । आगे श्री उमा शंकर जी ने सभी बच्चों की जमकर सराहना की और कहा की सभी कार्यक्रम में बच्चों और स्कूल स्टाफ में मेहनत साफ दिख रही है । उन्होंने यह भी कहा की यह आयोजन और भी बड़े स्तर पर होता रहे, मैंने देखा की मार्च पास्ट के बाद बच्चों ने अलग अलग झांकिया पर्स्तुत की ङ्कसे नो टू प्लास्टिक, ङ्कस्वक्ष भारत अभियानङ्ग जो की अति सराहनीय है । अंत में उन्होंने स्कूल मनामेंट को धन्यवाद दिया । कार्यक्रम के अंत में वाईस प्रिंसिपल काजल किरण ने विद्यालय में पधारे सभी गणमान्य अतिथियों को आभार व्यक्त किया एवं धनयवाद दिया । उन्होंने मैनेजमेंट में मौजूद सभी लोगों आभार देते हुए कहा की आप सब के दिशा निर्देश और गाईडेंस की वजह से यह कार्यक्रम इतना सफल हो पाया है ।कई इवेंट का हुआ आयोजन स्पोर्ट्स डे के दौरान कई इवेंट्स हुए जिसमे 100मी. रेस, 200मी. रेस, 400मी रेस, हाई जम्प, कोक फाइट, स्किप्पिंग रेस, वुशु फाइट, गेट उप एंड रेडी रेस, स्पून रेस का आयोजन हुआ । इस दौरान विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया ।

दुकान में सामान लेने गई आठ साल की बालिका को वाहन ने मारी टक्कर, मौके पर ही मौत, कोहराम

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र । सोनभद्र में घर से कुछ दूरी पर आमवार रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर आठ साल की बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सोनभद्र से दर्दनाक खबर आ रही है। दुद्धी स्थानीय कस्बे के अमवार रोड पर मंगलवार की रात करीब नौ बजे अज्ञात वाहन के चपेट में आने से आठ वर्षीय बालिका की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि चंचला पुत्री मुकेश बियार निवासी वार्ड नंबर 4 कस्बा दुद्धी अपने घर से समान लेने दुकान गई थी। घर से कुछ दूरी पर आमवार रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में बालिका आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। वहीं बालिका की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के परिवार के लोग पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी ले गई।

श्रमिकों से भरी मैजिक में ट्रक ने मारी टक्कर, 13 घायल

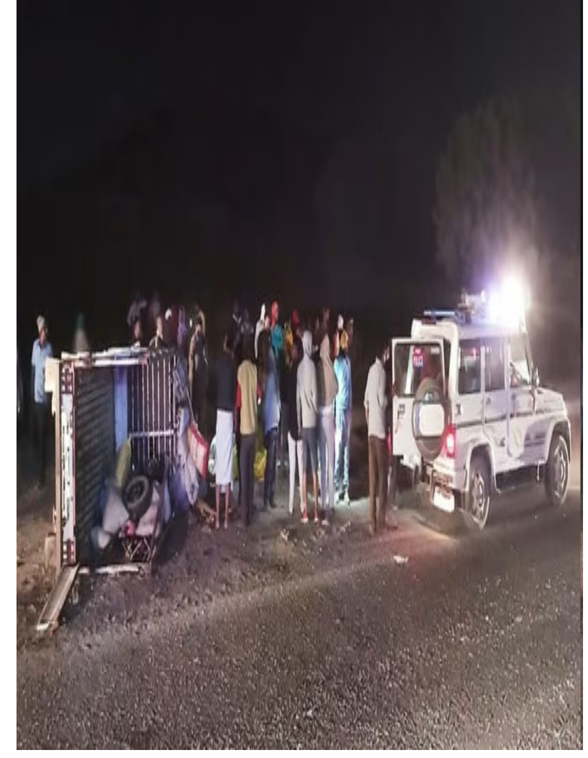

(आधुनिक समाचार सेवा)
चोपन। डाला क्षेत्र के वैष्णो मंदिर के समीप सोमवार की रात श्रमिकों से भरी मैजिक को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में धान काटने जा रहे 12 मजदूर और एक ठेकेदार घायल हो गया पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने पांच की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने बताया कि बीजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से 23 मजदूर मैजिक से धान काटने कोलना अहरौरा मिर्जापुर जा रहे थे। रात करीब दस बजे डाला वैष्णो मंदिर के समीप राजमार्ग पर एक ट्रक ने साइड से वाहन में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मैजिक पलट गई। जिससे 16 वर्षीय सोनू कुमार, 20 वर्षीय रिंकी कुमारी, 18 वर्षीय सुख्ख, 25 वर्षीय सोनामति पत्नी शोभित लाल, 45 वर्षीय सुकवरिया पत्नी दिग्गज, 40 वर्षीय रामबरन, 18 वर्षीय विजय, 17 वर्षीय बीरमत, 18 वर्षीय जयप्रकाश सभी निवासी गांव झिल्लो सेवकामोड़ थाना बीजपुर व 15 वर्षीय वीरमत पुत्र सूरज लाल, 15 वर्षीय रासमनी पुत्री रामनाथ, 25 वर्षीय दिलदार निवासीगण खमरिया थाना बीजपुर व ठेकेदार 48 वर्षीय सत्ती यादव निवासी लिझडी अदलहाट घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने घायल बीरमत, सोनामति, रासमनि, सुकवरिया, विजय को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चोपन थाना प्रभारी लक्ष्मण पर्वत ने बताया कि घायलों के परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डेंगू को अलर्ट मोड़ में स्वास्थ्य विभाग

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र । जिले में डेंगू के बढ़ते प्रकोप के बीच स्वास्थ्य महकमा अलर्ट हो गया है। डेंगू के मरीजों को बेहतर उपचार के लिए शासन के निर्देश पर कोविड प्रबंधन में प्रयोग होने वाले एमसीएच विंग को डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल के रूप में तैयार किया जा रहा है। यहां 17 नवंबर से डेंगू के मरीजों को उपचार एवं जरूरत पड़ने पर मरीजों को भर्ती किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के आकड़ों में जिले में डेंगू के 161 मामले सामने आ चुके हैं। जबकि दावों से इतर डेंगू के मरीज अधिक मिले। कुछ दिनों पहले म्योरपुर में एक ही बेड पर दो-दो डेंगू मरीजों का उपचार हुआ। तो दुद्धी में जमीन पर लिटाकर डेंगू मरीज का उपचार किया गया। मगर अब ऐसा नहीं होगा। शासन ने डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच कोरोना की तर्ज पर अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग ने जिला अस्पताल परिसर स्थित एमसीएच विंग को डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल के रूप में नामित कर

दिया है। इसके लिए तीन फिजीशियन और तीन बाल रोग चिकित्सकों की तैनाती की है। यहां 150 बेड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित किए जा रहे हैं। मंगलवार तक करीब 18 बेड को मच्छरदानी युक्त कर दिया गया। एसीएमओ डॉ. आरजी यादव को वेक्टर बार्न नोडल नियुक्त किया गया है। वहीं डॉ. जीएस यादव को कार्यवाहक मु. चिकित्सा अधीक्षक बनाया गया है। डॉ. अमृत राय को सह. नोडल अधिकारी व सफाई व्यवस्था प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दवाओं के छिड़काव की जिम्मेदारी मलेरिया निरीक्षक पीके सिंह को दी गई। डेंगू चिकित्सालय से जिला अस्पताल और साई अस्पताल के ब्लड बैंक को संबद्ध किया गया है। वहीं कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। डेडिकेटेड हॉस्पिटल की व्यवस्था को चुस्त रखने के लिए चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने में लगा है। इसके साथ ही आशाओं को भी गावों में घर-घर स्क्रीनिंग के निर्देश दिए गये हैं। एसीएमओ डॉ. आरजी यादव ने बताया कि शासन के निर्देश पर एमसीएच विंग को डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल के रूप में नामित किया गया है। रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों की तीन शिफ्ट में तैनाती की गई है। निर्धारित समय के अनुसार इसे शुरू कर दिया जाएगा।

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आई बुरी खबर, इस सीजन टीम का हिस्सा नहीं होगा यह प्लेयर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । आईपीएल 2023 ऑक्शन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 23 दिसंबर को कोच्चि में मिनी ऑक्शन होगा। इसके पहले ही फ्रेंचाइजियों को अपने रिटेन और सीजन टीम के स्टार गेंदबाज पैट कमिंस ने इस साल आईपीएल खेलने से माना कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस ने आईपीएल 2023 से हटने का फैसला किया है। इस स्टार के तेज गेंदबाज लॉकी फॉर्ग्यूसन के टीम में शामिल होने से राहत की सांस ली है। केकेआर ने हाल ही में गुजरात टाइटंस से फॉर्ग्यूसन को खरीदा है। कमिंस हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की टी20

रिलीज खिलाड़ियों की सूची 15 नवंबर तक बीसीसीआई को सौंपनी है। चेन्नई और मुंबई ने अपनी लिस्ट बीसीसीआई को सौंप दी है। अन्य टीमें भी आज अपनी लिस्ट सौंप देंगी। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम को ऑक्शन के पहले ही एक तगड़ा झटका लगा है। पिछले ऑलराउंडर ने मंगलवार को ट्विटर पर अपने फैसले की घोषणा की। कमिंस ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय मैचों का हवाला देते हुए भारतीय टी20 प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने का कारण बताया। पैट कमिंस के जाने से टीम के फैंस को जहां झटका लगा है। वहीं, न्यूजीलैंड वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे। टीम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने में विफल रही। इस साल की शुरुआत में एरोन फिंच के वन डे से संन्यास लेने के बाद कमिंस को ऑस्ट्रेलिया का एकदिवसीय कप्तान नियुक्त किया गया था।

अब कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे शार्दूल ठाकुर, 2022 में दिल्ली में हुए थे शामिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । 2022 आइपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले शार्दूसल ठाकुर का नया ठिकाना कोलकाता नाईट राइडर्स होगा, फिलहाल वह टीम इंडिया के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर हैं।

दरअसल ट्रेड के दौरान उन्हें कोलकाता की टीम ने खरीद लिया है। दिल्ली की टीम ने 2022 में उन्हें 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। खबर भी यह भी है कि शार्दूल ठाकुर को चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस ने अपना बनाने की कोशिश की लेकिन दिल्ली ने ऐसा होने नहीं दिया।आइपीएल 2022 के प्रदर्शन की बात करें तो शार्दूल ने दिल्ली की तरफ से खेलते हुए 14 मैच में 9.79 की इकोनॉमी से 15 विकेट हासिल किए थे। 2017 से यह उनका सबसे औसत प्रदर्शन रहा था। बल्लेबाजी की बात करें तो उन्होंने 138 की स्ट्राइक रेट से कुल 120 रन बनाए थे। 15 नवंबर, ट्रेडिंग विंडो बंद होने की आखिरी तारीख है और इससे पहले सबसे सक्रिय कोलकाता की टीम रही है। फ्रेंचाइजी के लिए खिलाड़ियों को रिलीज और रिटेन करने का आखिरी समय 15 नवंबर शाम 5 बजे तक का है। इस ट्रेड के जरिए शार्दूल ठाकुर ऐसे तीसरे खिलाड़ी हैं जिसे कोलकाता की टीम ने खरीदा है। इससे पहले कोलकाता ने न्यूजीलैंड के तेंज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को गुजरात टाइटंस की टीम से खरीदा था।यह शार्दूल ठाकुर की आइपीएल मे छठी टीम होगी। इससे पहले शार्दूल ठाकुर चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस और पुणे सुपर जाएंट्स जैसी टीम के लिए खेल चुके हैं। उनका सबसे बेस्ट प्रदर्शन चेन्नई सुपर किंग्स में महेंद्र सिंह धौनी के लीडरशिप में रहा था।

बड़े फैसले लेने में असमर्थ रोहित शर्मा मैदान पर सिर्फ चेहरा छुपाने की जगह खोजते रहे- अतुल वासन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल मैच में टीम इंडिया को 10 विकेट से बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सवाल उठने लगे। वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मैच में भी टीम इंडिया का अप्रोच काफी खराब रहा था और वो किसी भी वक्त फाइट करते हुए नजर नहीं आ रहे थे। अब

एशिया कप 2022 में भी ये टीम फाइनल तक नहीं पहुंच पाई थी। बेहद कम अंतराल में दो बड़े टूर्नामेंट से इस तरह से बाहर होने के बाद रोहित शर्मा की कप्तानी पर भी रोहित शर्मा की कप्तानी को लेकर टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अतुल वासन ने अपनी राय सामने रखी। अतुल वासन ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि रोहित शर्मा का टी20 कप्तान के तौर पर वक्त पूरा हो गया है। आप हमेशा दो वर्ल्ड कप के बीच का समय देखकर अपनी योजना बनाते हैं और मुझे ऐसा नहीं लगता कि अगले टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें कप्तान के तौर पर बरकरार रखना चाहिए क्योंकि इससे कोई फायदा नहीं होगा। टी20 कप्तान के तौर पर अब आपके सामने हार्दिक पांड्या और रिषभ पंत के रूप में दो विकल्प हैं। वैसे सेमीफाइनल को लेकर मैं विश्वास ही नहीं कर पा रहा हूं कि असल में हुआ क्या। अतुल वासन अपनी बातों के दौरान टीम इंडिया पर काफी खफा नजर आए और कहा कि उन्होंने बिल्कुल भी फाइट नहीं की। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की टीम जीत गई इस पर कोई बहस नहीं है, लेकिन टीम इंडिया जिस तरह से हारी वो वो बेहद चिंता की बात है। वासन ने कप्तान रोहित शर्मा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बतौर कप्तान उन्होंने अपने ऊपर कोई जम्मेदारी नहीं ली और सारे के सारे फैसले टीम प्रबंधन के द्वारा लिए गए। मेरे ख्याल से आप कप्तानी पर कोई आरोप नहीं लगा सकते हैं क्योंकि टीम प्रबंधन ने सभी फैसले लिए थे। हमारे कप्तान ने कोई फैसला नहीं लिया और वो बस यही फैसला ले रहे थे कि मुझे मैदान में कहां छुपना है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो क्लब में लगातार हो रही अनदेखी पर नाराज, कहा- मैनचेस्टर युनाइटेड ने मुझे धोखा दिया

लंदन। इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड में लगातार अनदेखी होने पर पुर्तगाल के स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्लब और मैनेजर एरिक टेन हैग पर 'धोखा' देने का आरोप लगाया है। रोनाल्डो ने हालिया साक्षात्कार में कहा कि कहा, हां न सिर्फ कोच, बल्कि क्लब से ताल्लुक रखने वाले दो से तीन लोग इसमें शामिल हैं। मेरे साथ धोखा किया गया।जब उनसे दोबारा पूछा गया कि क्या क्लब के कार्यकारी उन्हें बाहर करना चाहते हैं तो रोनाल्डो ने कहा कि मुझे इसकी

वह क्लब द्वारा ठगा हुआ महसूस करते हैं और कोच समेत कई लोगों ने उन्हें क्लब छोड़ने पर मजूबर किया। यह साक्षात्कार इस सप्ताह प्रसारित होगा, लेकिन इसकी कुछ क्लिप रविवार को जारी हुईं। हाल ही में रोनाल्डो को लगातार दूसरी बार युनाइटेड की टीम से बाहर कर दिया गया था और क्लब की ओर से इसके पीछे का कारण बीमारी बताया गया था। ब्रिटेन के चर्चित टाक शो 'पीयर्स मोर्गन अनसेंसर्ड' जब रोनाल्डो से पूछा गया कि क्या युनाइटेड के शीर्ष अधिकारी उन्हें क्लब से बाहर करने की कोशिश कर रहे हैं तो उन्होंने परवाह नहीं, लेकिन लोगों को सच सुनना चाहिए। हां, मुझे धोखा दिया गया और मुझे लगता है कि कुछ लोग मुझे यहां नहीं चाहते हैं। हालांकि रोनाल्डो के खुलासे पर क्लब की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कोच का आदर नहीं करताः कोच टेन हैग से अपने तल्ख संबंधों पर इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, मैं उनका आदर नहीं करता क्योंकि उन्होंने मेरे प्रति सम्मान नहीं दिखाया। रोनाल्डो ने दावा किया कि 2013 में मैनेजर सर एलेक्स फर्ग्यूसन के जाने के बाद युनाइटेड ने एक क्लब के तौर पर कुछ प्रगति नहीं की है।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड ने की टीम की घोषणा, इस गेंदबाज को नहीं मिली जगह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।18 नवंबर से शुरू हो रहे भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20वर्ल्ड और फिर मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी से करार किया था।मार्टिन गुप्टिल के स्थान पर शामिल किए गए फिन एलन की बात करें तो टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अपनी बल्लेबाजी से काफी

टीम की घोषणा कर दी है। खास बात यह है कि इस टीम में ट्रेंट बोल्ट और मार्टिन गुप्टिल का नाम शामिल नहीं है। दोनों देशों के बीच पहला टी20वर्ल्ड मैच शुक्रवार को वेलिंगटन में होगा। मार्टिन गुप्टिल के स्थान पर युवा फिन एलन को मौका दिया गया है जो वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे जबकि ट्रेंट बोल्ट की जगह और किसी को मौका नहीं मिला है। हाल ही में न्यूजीलैंड के सेंट्रल कांट्रैक्ट में से ट्रेंट बोल्ट को शामिल नहीं किया गया था जिसके बाद खबरें आई कि ऐसा उन्होंने खुद करने के लिए बोर्ड से कहा था क्योंकि बिग बैश लीग के लिए उन्होंने मेलबर्न स्टार प्रभावित किया था। अब तक वह न्यूजीलैंड के लिए 8 वनडे और 23 टी20वर्ल्ड मैच खेल चुके हैं। एलन पहली बार भारत के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड का स्क्वॉड केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरेल मिचेल, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी, ब्लेयर टिकर।टी20वर्ल्ड 2022 के सफर की बात करें तो दोनों टीम का सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई थी।

राशिफल

मेष-: रियल एस्टेट से जुड़े निवेश से आपको अच्छा मुनाफा होगा. परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊंचे लक्ष्य की प्राप्ति की दृष्टि से जानबूझ कर थोड़ा जोखिम उठाया जा सकता है।

वृष-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आप कोई खास काम करना चाहते हैं तो आज का दिन बेहतर है। कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको मिल सकती है।

मिथुन-: आज आप अपने जीवन साथी के स्वभाव में गंभीरता का अनुभव करेंगे. व्यापार में आज कोई जोखिम न लें। लोगों को पैसे उधार देने से बचें। आप भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

कर्क-: स्वास्थ्य को लेकर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

सिंह-: आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव हो सकता है। परिवार के कारण आपका मूड थोड़ा खराब हो सकता है। आप खुद को व्यस्त रखने की कोशिश करेंगे।

कन्या-: आज आपको अपने परिवार वालों से कोई उपहार मिल सकता है. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। विद्यार्थी भी मन लगाकर मेहनत करेंगे। कड़ी मेहनत के कारण आपको सफलता मिलेगी।

तुला-: निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए. शाम को अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या मूवी देखना आपको सुकून और खुशी का अनुभव कराएगा।

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस राशि के छात्रों के मन में सकारात्मक विचार आएंगे।

धनु-: आज नौकरी के क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा. परिवार के सदस्यों के साथ संबंध और मधुर होंगे। प्रेम संबंधों को लेकर आप काफी उत्साहित रहेंगे।

मकर-: अचानक से परेशानी के कारण परिवार की शांति भंग हो सकती है. लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि समय सब कुछ ठीक कर देगा। परेशानी का सामना शांति से करना समय की मांग है।

कुंभ-: आज आपको मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. घर का काम समय पर पूरा करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। आप नई चीजों को जानने के लिए उत्सुक रहेंगे।

मीन-: आज आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक रहेगा. चुप रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। भविष्य की योजनाओं के बारे में गहराई से सोचें। प्यार आपके शरीर और दिमाग पर हावी है।

माइकल वॉन ने बटलर की तुलना धौनी से की, बोले-जो उन्होंने भारत के लिए किया, वह इंग्लैंड के कप्तान कर सकते हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । जोस बटलर की लगातार रिजल्ट देना शुरू कर दिया है। सेमीफाइनल में भारत को 10 हैं।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान तो जोस बटलर से इतने प्रभावित नजर आए

कप्तानी में हाल ही में पाकिस्तान को हराकर टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली इंग्लैंड टीम की हर तरफ खूब तारीफ हो रही है। टीम ने पिछले कुछ सालों में जिस तरह से व्हाइट बॉल क्रिकेट में एक नए अंदाज के साथ क्रिकेट खेली है उसने अब विकेट से हराने के बाद जिस तरह से इंग्लैंड की टीम ने पाकिस्तान की गेंदबाजी आक्रमण के सामने जीत दर्ज की है वह काबिले तारीफ थी। यही कारण है कि पूर्व क्रिकेटर, इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर से काफी प्रभावित नजर आ रहे कि उन्होंने, उनकी तुलना एमएस धौनी से कर दी। उन्होंने कहा कि ठजिस तरह धौनी ने बतौर कप्तान भारत के लिए लंबे वक्त तक अपनी सेवाएं दी उसी प्रकार जोस बटलर भी इंग्लैंड टीम के लिए कर सकते हैं इसी साल जुलाई महीने में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाले जोस बटलर ने बहुत कम वक्त में अपने टीम को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया।32 वर्षीय जोस बटलर पहली बार टी20 वर्ल्ड कप में कप्तानी कर रहे थे। माइकल वॉन के अनुसार बटलर अपनी विरासत बना सकते हैं जैसे धौनी ने बतौर भारतीय कप्तान बनाई थी। खासतौर से तब, जब वह किसी एक फॉर्मेट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा कि ठएक विजेता कप्तान बनने के लिए आपको खिलाड़ियों की जरुरत होती है लेकिन बटलर ने उन्हें काफी विश्वास दिया। वह एक युवा कप्तान हैं जो दिन-ब-दिन बेहतर होते जाएंगे।ठबटलर ने व्हाइट बॉल क्रिकेट में एक पैटर्न सेट किया है जो किसी भी परिस्थिति में गेंदबाज को काउंटर कर सकता है जो मेरे हिसाब से व्हाइट बॉल क्रिकेट में एक बेंच मार्क है। उनके पास एक अच्छा थिंक टैंक है लेकिन उसे मैदान पर लागू करने के लिए वर्ल्ड क्लास परफॉर्मर की आवश्यकता होती है, जो आपके लिए मैच जीत सकता है और इंग्लैंड टीम में 1-11 खिलाड़ी मैच विनर हैं।

टी20वर्ल्ड 2024 में क्यों खेलेंगे कोहली और रोहित शर्मा का टीम से पत्ता होगा साफ, पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर ने बताया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । इंग्लैंड के हाथों सेमीफाइनल में 10 विकेट से को ऐसा लगता है कि अब कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में लाने के लिए कुछ सीनियर क्रिकेट की छुट्टी बटलर और हेल्स के सामने कमजोर दिख रही थी। आप सेमीफाइनल खेल रहे हैं और

हारकर टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2022 में फाइनल में पहुचने से चूक गए थे। इसमें कोई शक नहीं है कि टीम इंडिया के इस तरह से बाहर होने के पीछे कई खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन रहा था जिसमें विराट कोहली और हार्दिक पांड्या शामिल नहीं थे। टीम की इस तरह की हार के बाद इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर हो सकती है। मोंटी पनेसर ने टीओआई से बात करते हुए कहा कि भारत की हार ने कईयों को निराश किया और मुझे लगता है कि कुछ रिटायरमेंट होने वाली है। ईमानदारी से कहूं तो भारत ने सेमीफाइनल में कोई संघर्ष नहीं किया। यह पूरी तरह से एकतरफा मामला था। भारतीय गेंदबाजी आपको कड़ी टक्कर देने की जरूरत है थी क्योंकि 168 कोई छोटा स्कोर नहीं था। पनेसर ने कहा कि इस टीम के सीनियर खिलाड़ी जैसे कि रोहित शर्मा, आर अश्विन और दिनेश कार्तिक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले सकते हैं। रोहित शर्मा इस समय 35 साल के हैं और अगले टी20 वर्ल्ड कप तक वो 37 साल के हो जाएंगे। वहीं मोंटी पनेसर को लगता है कि विराट कोहली अपनी फिटनेस की वजह से टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए खेलना जारी रख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि रोहित शर्मा, दिनेश कार्तिक और आर अश्विन ऐसे शीर्ष नाम हैं जो टी20 क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। टीम प्रबंधन निश्चित रूप से इन लोगों के साथ बैठक करेगा और उनसे उनकी योजनाओं के बारे में पूछेगा क्योंकि ये समय अब युवा खिलाड़ियों को रास्ता देने का है। पनेसर ने आगे कहा कि विराट कोहली शानदार फार्म में हैं और सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे फिट है। विराट की सुपर फिटनेस को देखते हुए उम्र उनके लिए सिर्फ एक संख्या है। आप उसे 2024 टी 20 विश्व कप में देख सकते हैं, लेकिन मैं रोहित को उस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं देख रहा हूं। डीके और अश्विन भी हो सकता है कि वहां न हों साथ ही कुछ और भी खिलाड़ी हो सकते हैं। मुझे लगता है कि ये तीनों टी20 को छोड़कर टेस्ट और वनडे पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

सम्पादकीय

हमको भूकंप नहीं हमारी हरकतें और मकान मारते हैं

भूकंप की संवेदनशीलता के अनुसार भारत को 5 जोनों में बांटा गया है। इनमें सर्वाधिक संवेदनशील जोन 'पांच' माना जाता है जिसमें सिंधु से लेकर ब्रह्मपुत्र का सम्पूर्ण भारतीय हिमालय क्षेत्र है। वैसे देखा जाए तो अफगानिस्तान से लेकर भूटान तक का संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र भारतीय उप महाद्वीप के उत्तर में यूरेशियन प्लेट के टकराने से भूगर्वीय हलचलों के कारण संवेदनशील है। भूकंप के झटकों ने उत्तराखण्ड से लेकर दिल्ली तक को दहला दिया है। लोगों को बड़े भूचालों का डर सताने लगा है, जबकि भूचाल कभी किसी को नहीं मारता है। हमको मारते वह भवन हैं जिसे हम अपने आश्रय के लिए या सुरक्षित रहने के लिए बनाते हैं। फिर भी जो मकान मारक साबित होते हैं हम उसके लिए विलाप करते हैं और सारा दोष भूकंप पर डाल देते हैं। अगर हम प्रकृति के साथ जीना सीख लें तो क्या भूचाल या क्या बाढ़? हमें कोई भी आपदा नहीं मार सकती।भूकंप, बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन या आकाशीय बिजली गिरने जैसी घटनाएं प्राकृतिक होती हैं और प्रकृति के नियमों के अनुसार होती रहती हैं। इन प्राकृतिक घटनाओं को हम अपनी लापरवाही और अज्ञान के कारण आपदा बनाते हैं।30 सितंबर 1993 को महाराष्ट्र के लातूर क्षेत्र में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, इसमें लगभग 10 हजार लोग मारे जाते हैं। 30 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के साथ ही 1.4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। जबकि 28 मार्च 1999 को चमोली में लातूर से भी तेज 6.8 मैग्नीट्यूट का भूकंप आता है तो उसमें केवल 103 लोगों की जानें जाती हैं और 50 हजार मकान क्षति ग्रस्त होते हैं। 20 अक्तूबर 1991 के उत्तरकाशी के 6.6 परिमाण के भूकंप में 786 लोग मारे जाते हैं और 42 हजार मकान क्षतिग्रस्त होते हैं। इसी तरह जब 26 जनवरी 2001 को गुजरात के भुज में रिक्टर पैमान पर 7.7 परिमाण का भूकंप आता है तो उसमें कम से कम 20 हजार लोग मारे जाते हैं और 1.67 लाख लोग घायल होने के साथ ही 4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। 11 मार्च 2011 को जापान के टोहोकू क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 9.00 अंक परिमाण का प्रलयकारी भूचाल आने के साथ ही विनाशकारी सुनामी भी आबादी क्षेत्र को ताबाह कर जाती है, फिर भी वहां केवल 15,891 लोग मारे जाते हैं। इस दुहरी विनाशलीला के साथ तीसरा संकट परमाणु संयंत्रों के क्षतिग्रस्त होने से विकीर्ण का भी था। अगर ऐसा तिहरा संकट भारत जैसे देश में आता तो करोड़ों लोग जान गंवा बैठते।25 अप्रैल 2015 नेपाल में 7.8 परिमाण का भूकंप आता है जिसमें लगभग 9 हजार लोग मारे जाते हैं और 21 हजार से अधिक घायल हो जाते हैं। वहां सबसे अधिक तबाही काठमांडू में हुई, क्योंकि देश की राजधानी होने के नाते वहां आबादी ज्यादा घनी और इमारतें भी औसतन ज्यादा और विशलकाय हैं।जापान के लोग सीख गए भूकंपों के साथ जीना अगर आप जापान में भूकंपों का इतिहास टटोलें तो वहां बड़े से बड़े भूचाल भी मानवीय हौसले को डिगा नहीं पाए। जापान में 26 नवम्बर सन् 84 (जूलियन कैलेंडर) से लेकर अब तक रिक्टर पैमाने पर 7 अंक से लेकर 9 परिमाण तक के दर्जनों भूचाल आ चुके हैं। आपदा प्रबंधकों के अनुसार इस परिमाण के भूकंप काफी विनाशकारी होते हैं। खासकर रिक्टर पैमाने पर 8 या उससे बड़े परिमाण के भूकंपों को भयंकर और 9 तथा उससे अधिक के भूचालों को तो प्रलयंकारी माना ही जाता है, फिर भी जपान में जनहानि बहुत कम होती है। सन् 1952 से लेकर अब तक जापान में रिक्टर पैमाने पर 7 से लेकर 9 परिमाण तक के 31 बड़े भूचाल आ चुके हैं। इसके अलावा 4 या उससे कम परिमाण के भूकंप तो वहां लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। इन भूकंपों में से टोहोकू के भूकंप और सुनामी के अलावा वहां कोई बड़ी मानवीय त्रासदी नहीं हुई। वहां 25 दिसंबर 2003 को होक्कैडो में 8.3 परिमाण का भयंकर भूचाल आया फिर भी उसमें मरने वालों की संख्या केवल एक थी। इतने बड़े परिमाणों वाले 7 भूकंप ऐसे थे जिनमें एक भी जान नहीं गई। जाहिर है कि जापान के लोग भूकंप ही नहीं बल्कि प्रकृति के कोपों के साथ जीना सीख गए हैं। वहां के लोगों ने प्रकृति को अपने हिसाब से ढालने का दुस्साहस करने के बजाय स्वयं को प्रकृति के अनुसार ढाल दिया है।भूकंप की संवेदनशीलता के अनुसार भारत को 5 जोनों में बांटा गया है।

गुणवत्ता को 'गंभीर' या 'खतरनाक' के बजाय 'खराब' के रूप में वर्गीकृत किए जाने के मायने

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि 'राज्य सरकारों को उन पराली से छुटकारा पाने के लिए हार्वेस्ट मशीनें उपलब्ध करानी चाहिए, लेकिन वे पर्याप्त संख्या में आवश्यक मशीनें और अन्य उपाय उपलब्ध कराने में विफल रही हैं; रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने, औद्योगिक एवं वाहनों के धुएं तथा सड़कों की धूल की वजह से दिल्ली की जहरीली, धुएं से भरी हवा उन सभी लोगों के लिए आम बात हो गई है, जो इस शहर में रहते हैं। यह खबर बन जाती है, क्योंकि दिल्ली

नतीजतन, किसान पराली जलाने को मजबूर हैं, जिससे प्रदूषण होता है। नवंबर के महीने में क्या कभी प्रदूषित हवा से छुटकारा मिल सकता है? अगर आप दिल्ली में रहते हैं, या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र या उत्तर भारत के किसी भी इलाके में रहते हैं, तो यह ऐसा समय है, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स-एक्यूआई) हर रोज चर्चा का विषय बन जाता है। हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं, जब हवा की गुणवत्ता में थोड़ा-सा भी सुधार होता है और हवा की गुणवत्ता को 'गंभीर' या 'खतरनाक' के बजाय 'खराब' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो जश्न मनाने लगते हैं। लेकिन आंशिक राष्ट्रीय राजधानी है। हर साल सर्दियों में हवा में विषाक्तता कई कारणों से बढ़ जाती है, जिसमें हवा की कम गति, त्योहार की आतिशबाजी और पड़ोसी राज्यों में किसानों द्वारा फसल अवशेषों को जलाना शामिल है। मानव स्वास्थ्य पर इसके भयंकर दुष्प्रभावों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। मगर भारत में वायु प्रदूषण न तो दिल्ली तक सीमित है और न ही सर्दियों तक और न ही शहरों तक। वायु प्रदूषण के बारे में सभी गर्मागर्म चर्चाओं में, जिस बात को अक्सर नजर अंदाज किया जाता है वह है, लोगों के विभिन्न समूहों पर वायु प्रदूषण का अलग-अलग प्रभाव।

संस्कृति और प्रकृति के संरक्षण में जनजातीय समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान

जनजातीय समुदाय के नाम में ही जन का उल्लेख है। इस समुदाय ने प्रकृति, संस्कृति, स्वतंत्रता, समानता, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, आत्मनिर्भरता, जनतंत्र, जनसेवा इत्यादि के क्षेत्र में देने वाले समुदायों को उनका उचित सम्मान एवं प्रतिनिधित्व भी मिलना चाहिए। परंतु जनजातीय समुदाय को उनके योगदान के बदले आज तक वह सम्मान और प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका जिसके वे वास्तविक है। कच्चे मकानों में रह लेता है, पहाड़ों को काटकर आवास बना लेता है, परंतु विकास के पश्चिमी मानकों को नहीं अपनाना जनजातियों को विशिष्ट बनाता है। अपनी संततियों को अपनी भाषा, स्वीकार नहीं किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनजातीय समुदाय के स्त्री-पुरुष, बच्चे-बुजुर्ग सभी लड़ाई में भाग लेते थे। ढोल-नगाड़े बजते थे, पारंपरिक हथियारों से आधुनिक हथियारों का मुकाबला

व्यावहारिक भूमिका का निर्वहन किया है। वास्तव में जिन भारतीय नैतिक मूल्यों पर प्रत्येक भारतीय गर्व का अनुभव करता है, उसे आज भी जनजातीय समुदाय की कार्यशैली में देखा जा सकता है। जनजातीय समुदाय और भारतीयता दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। भारतीय सांस्कृतिक-पारंपरिक मूल्यों के साथ जीना, उनका संरक्षण-संवर्धन करना या पूर्व में स्वतंत्रता की लड़ाई में योगदान की बात रही हो, प्रत्येक मामले में जनजातीय समुदाय अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। वैसे हमारे इतिहास लेखकों ने नगण्य संख्या में जनजातीय महापुरुष वीरों को प्रस्तुत किया, परंतु वर्ष 2014 में केंद्र में नई सरकार आने के बाद से अनसुने वीरों की वीरगाथाओं से जुड़े अनेक तथ्यों को नए सिरे से खंगाला जा रहा है। ऐसे में जनजातीय वीर राष्ट्रीय गौरव के रूप में स्थापित होने लगे हैं। देश के विकास में प्रत्येक भारतीय समुदाय का योगदान है। योगदान हकदार हैं। भारतीय समाज प्राकृतिक संस्कृति, परस्पर सहयोग की भावना, ईमानदारी, सादगी, समानता, आत्मनिर्भरता, सर्वमत आधारित जनतंत्र के लिए जाना जाता है। ये सारे गुण आज भी इस समुदाय में मौजूद हैं। प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन आज भी जनजातीय समुदाय ही व्यावहारिक रूप में कर रहा है। आज जिस खनिज संपदा ने देश के आर्थिक उन्नति तथा रोजगार में अहम भूमिका निभाई है, उस संपदा को संरक्षित रखने में जनजातियों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। राष्ट्र के जिन स्थानों पर खनिज संपदा मिली है, वहां जनजाति समुदाय का निवास स्थान है। जनजातीय समुदाय का निवास जहां-जहां है वहां वन संपदा की अधिकता है। आर्थिक विपन्नता से उबरने के लिए जनजातियों ने कभी भी वन संपदा का व्यापार नहीं किया। वन को बचाए रखने के संकल्प ने आज जगत को बचाए रखा है। यह समुदाय सादगी पसंद संस्कृति व अपने रोजगार का ज्ञान देकर आत्मनिर्भर बनने का गुण विकसित करने की विशिष्टता के कारण यह समुदाय किसी की अधीनता नहीं स्वीकार करता तथा समानता एवं स्वतंत्रता के साथ जीना पसंद करता है। जनतंत्र में आम तौर पर यह कहा जाता है कि यहां बहुमत का शासन होता है, लेकिन जनजाति जिस लोकतंत्र के पक्ष में है वहां सर्वमत आधारित निर्णय होते हैं। सारा समुदाय एकत्रित होता है और जब तक सभी लोग एक निर्णय पर न पहुंच जाएं, बैठक जारी रहती है। सर्वमत से जो निर्णय लिया जाता है उसे मनवाने की आवश्यकता नहीं होती, लोग स्वयं उसे मानने लगते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनजातीय समुदाय हमेशा प्राकृतिक अधिकारों के लिए लड़ा। जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए लगातार संग्राम हुए। भारतीय भाषा, संस्कृति और प्रकृति के विरोध में किसी भी शासन को कभी भी जनजातियों ने करते थे। आदिवासी या तो जीतते थे या फिर बलिदान होते थे, पीठ दिखाकर कभी भागते नहीं थे। बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो, झानो मुर्मू, अल्लुरी सीतारमण राजू, सुरेंद्र साए, टंट्या भील, तेलंगा खड़िया जैसे वीरों के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। जनजातीय वीरों की याद में जनजातीय गौरव दिवस मनाना केवल एक दिवस के समान नहीं है। वास्तव में इस दिवस को मनाते हुए हम प्रत्येक उन भारतीय का सम्मान कर रहे हैं जिन्होंने भारतीय संस्कृति व स्वतंत्रता के लिए योगदान दिया, परंतु किन्हीं कारणों से अब तक उन्हें वह सम्मान प्राप्त नहीं हुआ था जिसके वे हकदार हैं। इसका एक परिणाम यह भी होगा कि अब जनजातीय समुदाय और गैर जनजातीय समुदाय एक दूसरे के समीप आएंगे। यह समीपता देश में संस्कृति, सम्मान, आत्मनिर्भरता के भारतीय गुणों के साथ एक सेतु का निर्माण भी करेगी।

पंडित जी को देहरादून से था खास लगाव, राजनीति की लम्बी छलांग भी यहीं से लगाई

देहरादून वासियों के दिलों में नेहरू की यादें दफन होने वाली नहीं हैं। क्योंकि नेहरू का पहाड़ों से प्रेम जगजाहिर था। देहरादून तथा यहां की जेल तो नेहरू के लिये घर जैसे ही थे। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम चार दिन देहरादून में ही बिताये थे। अपनी आत्म कथा में उन्होंने इसका जिक्र भी किया है। आधुनिक भारत के शिल्पी पंडित जवाहर लाल नेहरू का कद छोटा दिखाने के लिए कोई चाहे कितना भी गड़े हुए मुर्दे उखाड़े, मगर नेहरू का कद छोटा होने वाला नहीं है। कम से कम पहाड़वासियों और खास कर

लौटने के बाद उनका यह पहला राजनीतिक कार्यक्रम था। इस सम्मेलन में लाला लाजपत राय और किचलू जैसे बड़े नेता शामिल हुए थे। सन् 1922 में भी देहरादून में एक राजनीतिक सम्मेलन आयोजित हुआ और उसकी अध्यक्षता भी पंडित नेहरू ने ही की थी। उस सम्मेलन में सरदार बल्लभ भाई पटेल और चितरंजन दास जैसे बड़े नेताओं ने भाग लिया था। देहरादून और यहां की जेल नेहरू के लिये घर जैसे ही थे। एक बार जब अफगान प्रतिनिधि मण्डल देहरादून पहुंचा तो नेहरू को जिला छोड़ने का आदेश हुआ, क्योंकि जिस चार्लविले होटल में नेहरू ठहरे थे, उसी मेंअफगान प्रतिनिधि मण्डल को भी ठहराया गया था। देसी रियासतों में लोकतांत्रिक आन्दोलनों के लिए कांग्रेस द्वारा गठित ''आल इंडिया स्टेट्स पीपुल्स कान्फ्रेस'' के पहले अध्यक्ष नेहरू ही थे और उनके बाद पट्ठाभि सीतारमैया अध्यक्ष बने थे। टिहरी सहित हिमाचल के

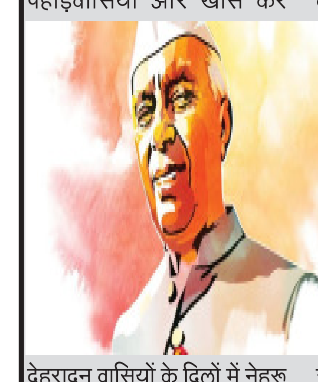

देहरादून वासियों के दिलों में नेहरू की यादें दफन होने वाली नहीं हैं, क्योंकि नेहरू का पहाड़ों से प्रेम जगजाहिर था। देहरादून तथा यहां की जेल तो नेहरू के लिए घर जैसे ही थे। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम चार दिन देहरादून में ही बिताए थे। अपनी आत्मकथा में उन्होंने इसका जिक्र भी किया है। उन्होंने सर्वाधिक दिन अल्मोड़ा जेल में बिताए थे। देहरादून में ही नेहरू ने अपने कालजयी ग्रन्थों के अंश लिखे। नेहरू ने इसी देहरादून से राजनीति के क्षेत्र में सबसे पहले बड़ी छलांग भी लगाई थी। नेहरू ही क्यों उनके पिता मोतीलाल नेहरू और मसूरी से जुड़े किस्से पुराकथाएं बनीं। उनकी बेटी और नाती और उनके बच्चों की स्कूलिंग भी इसी देहरादून में हुई। देहरादून से लगाई राजनीति की छलांग नेहरू जी ने राजनीति की पहली लम्बी छलांग देहरादून से ही लगाई थी। दरअसल सन् 1920 में जब देहरादून में कांग्रेस ने राजनीतिक सम्मेलन आयोजित किया तो उसकी अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने ही की थी। बिलायत से

सभी प्रजामण्डल इसी संगठन से सम्बद्ध थे। उत्तराखण्डियों की सांस्कृतिक पहचान के हिमायती थे नेहरू नेहरू की उत्तराखण्ड और खास कर देहरादून से कई यादें जुड़ी हुई हैं। सन् 1930 के दशक में उन्होंने श्रीनगर गढ़वाल में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में कहा था कि उत्तराखण्ड की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों के साथ ही अलग सांस्कृतिक पहचान है, इसलिए क्षेत्रवासियों को अपनी अलग पहचान बनाए रखने का हक हैं। उत्तराखण्ड के बारे में इस तरह की टिप्पणी करने वाले वह पहले राष्ट्रीय नेता थे। बाद में 1952 में नेहरू के इस वाक्य की प्रासंगिकता तब सामने आए जब कामरेड पी.सी. जोशी की अध्यक्षता में भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी ने अलग उत्तराखण्ड राज्य की मांग कर डाली। नब्बे के दशक में उत्तराखण्ड आन्दोलन में नेहरू का यह सूक्ति वाक्य भी आन्दोलनकारियों के काम आया। हिमाचल को पंजाब से अलग राज्य बनाने की परमार की मुहिम को भी नेहरू का ही आशीर्वाद प्राप्त था।

शोरबर्ड्स: ग्रह के सबसे असाधारण वैश्विक यात्री

शोरबर्ड्स मुख्य रूप से मोलस्क, छोटे क्रस्टेशियंस और समुद्री कीड़ो को खा कर अपना गुजर बसर करते हैं। अधिकांश प्रजातियां मिट्टी या उजागर मिट्टी से निकाले गए छोटे अकशेरुकी जीवों को खाती हैं। प्रजनन मैदानों की यात्रा करती हैं। दुनिया में शोरबर्ड की लगभग 200 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं और ये अक्सर रेतीले समुद्र तटों, गीली मिटटी, या चट्टानी तटों से लेकर मीठे पानी के आर्द्रभूमि, घास तालाब शामिल हैं जो इन्हे उपयुक्त आवास प्रदान करते हैं। इस समूह में लंबे पैरों वाले पक्षी जैसे सारस और बगुले शामिल हैं। अनोखे ट्रैवेलर्स कई वैडर प्रजातियां प्रवासी हैं, जो कई हजारों किलोमीटर की सक्षम हो जिससे उनकी यात्रा निरंतर चलती रहे। उड़ने में सक्षम होना बहुत से लोगों का सपना होता है, और उड़ान में हजारों किलोमीटर की यात्रा करने में सक्षम होना सच में बहुत अद्भुत है। जब शोरबर्ड्स और केवल 13 सेमी के होते है। माना जाता है कि सबसे बड़ी प्रजाति सुदूर पूर्वी कर्लेव है, जिसका वजन लगभग 900 ग्राम है और इसका माप लगभग 65 सेमी है; हालांकि समुद्र तट मोटा-घुटा हुआ, लगभग समुद्री पक्षी की जनसंख्या में कोई परिवर्तन होता है, तो संभवतः उन कीड़ों की जनसंख्या पर भी प्रभाव पड़ता है जिन पर वह भोजन के लिए निर्भर होते है। शोरबर्ड शुष्क भूमि के निकटतम ज्वारीय

जलचर पक्षियों को हम सभी ने अक्सर जलाशयों के किनारे देखा होगा और चूंकि ये अक्सर किनारो पर ही पाए जाते है इसलिए इन्हे शोरबर्ड्स या वेडर्स के नाम से जाना जाता है। शोरबर्ड या वेडर्स काडरिफोर्म्स क्रम के छोटे से मध्यम आकार के पक्षी हैं जो अक्सर तटरेखा और आर्द्रभूमि से जुड़े होते हैं। शोरबर्ड पक्षियों के एक विविध समूह हैं, जिसमें सैंडपाइपर, प्लोवर, एवोकेट, ऑयस्टरकैचर और फालारोप्स जैसे शोरबर्ड्स शामिल हैं। अधिकांश शोरबर्ड पानी के पास पाए जाते हैं, लेकिन कई प्रजातियां किनारे से दूर निवास करना भी पसंद करते हैं। कई प्रजातियां लंबी दूरी की प्रवासी हैं, जो हर साल आर्कटिक टुंड्रा में प्रजनन के मैदान से दक्षिणी दक्षिण अमेरिका में गैर- के मैदानों, जुताई वाले खेतों और बाढ़ वाली कृषि भूमि में पाए जाते हैं। शोरबर्ड्स मुख्य रूप से मोलस्क, छोटे क्रस्टेशियंस और समुद्री कीड़ो को खा कर अपना गुजर बसर करते हैं। अधिकांश प्रजातियां मिट्टी या उजागर मिट्टी से निकाले गए छोटे अकशेरुकी जीवों को खाती हैं और इसलिए इनकी चोंच का आकर लम्बा होता है जिससे ये आसानी से मिटटी या पानी में दबे हुए कीड़ो को निकलने में सक्षम होते है। इधर कई नाविकों के पास चोंच के अंत में संवेदनशील तंत्रिका होते हैं जो उन्हें कीचड़ में छिपे शिकार की वस्तुओं का पता लगाने में सक्षम बनाते हैं। शहरी क्षेत्रों में कुछ वैडर आम हैं, जो अक्सर पार्क और गोल्फ कोर्स जैसे स्थानों पर पाए जाते हैं जिनमें झीलें या यात्रा करती हैं। जैसे जैसे उनकी वर्तमान जलवायु कठोर और चुनौतीपूर्ण हो जाती है वे हजारों मील की यात्रा करते हुए, आगे की और बढ़ चलते हैं। वे उन जगहों पर चले जाते हैं जहां की जलवायु उनके लिए अधिक सौम्य और कम तनावपूर्ण होती है। उदाहरण के लिए, जून में आर्कटिक प्रजनन मैदान 24 घंटे सूरज की रोशनी प्रदान करते हैं। दिन के उजाले के दोगुने घंटे होने से शोरबर्ड्स को ऊर्जा को खिलाने और स्टोर करने के लिए बहुत अधिक समय मिलता है। इसीलिए शायद प्रवास से पहले कई पक्षी ज्यादा खाना खाते है ताकि उनके शरीर पर वासा की एक मोटी परत बन जाये जो प्रवास के दौरान उन्हें समय समय पर ऊर्जा प्रदान करने में का एक झुंड अपनी यात्रा के अगले चरण में उड़ान भरता है, तो देखें कि वे कैसे ऊपर की ओर चक्कर लगाते हैं जिसमे कुछ एक विशाल तीर की तरह आगे बढ़ने से पहले आकाश में एक सुंदर ठवीठ फॉर्मेशन भी बनाते है। शोरबर्ड की अन्य विशेष विशेषताओं में उनके चिकना डिजाइन, भोजन के लिए विशेष चोंच और विशेषज्ञ शिकार कौशल शामिल हैं। प्रवासी पक्षियों के बीच शोरबर्ड निर्विवाद रूप से मैराथन चैंपियन हैं। शोरबर्ड की लगभग 20 प्रजातियों को 5,000 किलोमीटर, या 3,100 मील . से अधिक लंबी नॉनस्टॉप उड़ानें बनाते हुए दर्ज किया गया है। इस समूह का सबसे छोटा सदस्य सैंडपाइपर है, जिसके छोटे वयस्क का वजन लगभग 15.5 ग्राम तक होता है 1 किलो वजनी है। पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) और शोरबर्ड शोरबर्ड तटीय खाद्य जाले का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, क्योंकि वे अकशेरूकीय के प्रमुख उपभोक्ता हैं। विभिन्न कारकों के कारण लंबी अवधि में शोरबर्ड समृद्धि और बहुतायत में कमी आ सकती है, जैसे निवास स्थान के नुकसान का संयोजन, उच्च ज्वार पर पहुंच में कमी और बख्तरबंद समुद्र तटों पर शिकार की उपलब्धता में कमी। चूंकि समुद्री पक्षी आर्द्रभूमि पर निर्भर होते हैं, वे आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य के अच्छे संकेतक होते हैं।एक संकेतक प्रजाति का स्वास्थ्य जीवविज्ञानियों को उस आवास का उपयोग करने या बनाने वाले अन्य प्राणियों के स्वास्थ्य के बारे में काफी कुछ बताता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर हैं, जो अक्सर विकास के कारन विलुप्त से होते जा रहे है। कहीं देर न हो जाए आर्द्रभूमि तेजी से गायब हो रही है क्योंकि ये खेती, आवास, औद्योगिक और तटीय विकास के लिए लगातार विकसित की जा रही है जिससे वेटलैंड्स और अन्य जलाशय मानो ख़तम से हो गए हैं। जैसे-जैसे भूमि पर आबादी के द्वारा अधिक मांग बढ़ती जा रही है वैसे वैसे वन्य जीवो जका गुजर बसर भी संकट में आता जा रहा है क्यूंकि शायद इनपर किसी का ध्यान ही नहीं है। कई क्षेत्र जो कभी समुद्री तटों के लिए निवास स्थान थे, अब अनुपयुक्त हैं। शोरबर्ड पूरे गोलार्ध में निवास स्थान पर विश्वास करते हैं, जिसका अर्थ है कि शोरबर्ड संरक्षण के लिए काफी प्रयासों की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

अगले सेना प्रमुख पर बोले इमरान खान- 'मुझे नहीं पड़ता कोई फर्क, शरीफ-जरदारी के लिए होगा महत्वपूर्ण'

इस्लामाबाद। पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने पाकिस्तान के अगले पाक सेना प्रमुख को लेकर प्रतिक्रिया दी। पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने कहा है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि अगला सेना प्रमुख कौन बनता है। बता दें कि देश के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा इस महीने के आखिर में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पूर्व पीएम इमरान खान का

दावा डॉन के साथ एक विशेष बातचीत में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उनके और सरकार के बीच तब तक सब ठीक चल रहा है जब तक कि सरकार उन लोगों को दोषी नहीं ठहराती है, जिन पर उन्होंने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। इमरान खान ने दावा किया कि सेना प्रमुख चाहते थे कि मैं अलीम खान को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाऊं, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। क्योंकि उनके खिलाफ न केवल एनएबी मामले थे, उन्होंने सरकार से संबंधित लाखों की जमीन पर कब्जा कर बेच दिया था।

फिलिस्तीनी पत्रकार की हत्या की जांच शुरू की

वाशिंगटन। इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्स ने स्पष्ट किया है कि वह अलजजीरा की पत्रकार की मौत के मामले में अमेरीका द्वारा की जा रही जांच में बिल्कुल सहयोग नहीं करेगा। मालूम हो कि फिलिस्तीनी-अमेरिकी पत्रकार की कतिथ रूप से इजरायली सैनिक ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हालांकि इजरायल इस बात से इनकार करता आ रहा है। वहीं अब इजरायल ने जांच में सहयोग करने को मना कर दिया है। बता दें कि अमेरिकी फेडरल ब्यूरो 11 मई को महिला पत्रकार शिरीन अबू आलेख की मौत के मामले में जांच कर रहा है। आरोप है कि इजरायली ऑपरेशन के दौरान उनकी इजरायली सेना के जवान द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं इजरायल ने अपने सैनिक पर कोई भी कार्रवाई करने से मना कर दिया था। वहीं अब इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा है कि इजरायली डिफेंस फोर्स इस मामले में की जांच में अमेरिका के एफबीआई का कोई भी सहयोग नहीं करेगी।

जगत जननी मां शारदा नगरी की मैहर में संपन्न हुआ जिला स्तरीय विशाल यादव महासम्मेलन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। मां शारदा की नगरी मैहर में रखा गया कार्यक्रम जिला स्तरीय विशाल यादव महासम्मेलन एवं गौरवशाली इतिहास रहा इसके बावजूद बिंद हमें यादवों की आर्थिक सामाजिक राजनीतिक स्थिति एक हंसी पर पड़े समाज की तरह है तथा सभी क्षेत्र के युवा साथी हजारों की संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दामोदर सिंह यादव जी प्रदेश उपाध्यक्ष

जनप्रतिनिधि सम्मान कार्यक्रम के आयोजक रामप्रसाद लल्लू यादव बहादुर यादव शिवम यादव कार्यक्रम के संयोजक ,जान्हवी संतोष यादव जिला पंचायत सदस्य सतना ,धीरज यादव, पंकज यादव, महेश यादव एवं सभी यादव बंधुओं के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ।जैसा कि आपको पता है कि भारत भूमि पर यादवों का सतना जिले के मैहर में पहली बार समाज के विद्वानों द्वारा ज्यादा समाज को राष्ट्रीय समाजवादी मूल्यों के आधार पर विकसित वैज्ञानिक सोच के आधार पर आगे बढ़ाने हेतु प्रेरणादाई विमर्श सुनिश्चित हुआ साथ ही समाज के सभी जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में यादव समाज बंधुओं सहित महिला पुरुष छात्र राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी मध्यप्रदेश, भूपेंद्र सिंह यादव रिटायर्ड डीएसपी रीवा, राजेश यादव जनपद अध्यक्ष रीवा , संतोष यादव कटनी, राजेश यादव बसपा नेता, रामप्रकाश यादव, रामकुमार यादव कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे बी.एल.यादव (निराला जी) जिला अध्यक्ष कांग्रेस सतना कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाते हुए संपन्न किया गया।

किरेन रिजिजू ने कश्मीर पर गिनाई नेहरू की पांच भूल, कहा- देश को सात दशक तक उठाना पड़ा नीतियों का नुकसान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कश्मीर समस्या के लिए पहले भी देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार ठहरा चुके केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने उन्हें जयंती के दिन सोमवार को फिर कठघरे में खड़ा किया। अपने आलेख को ट्विटर

पर साझा करते हुए उन्होंने 'कश्मीर पर नेहरू की पांच भूल' गिनाईं और कांग्रेस के पुरोधा की ' पहले दोस्त, फिर भारत' नीति को परिभाषित करते हुए तथ्यों के आधार पर इतिहास को सुधारने की पुरजोर पैरवी की। यूं तो नेहरू की कश्मीर नीति पर भाजपा अरसे से सवाल खड़ा करती रही है, लेकिन पिछले एक पखवाड़े में रिजिजू खासतौर से हमलावर हैं। 1947 में भारत में जम्मू और कश्मीर (27 अक्टूबर) के प्रवेश की वर्षगांठ पर भी उन्होंने अपने आलेख 'कश्मीर पर पांच नेहरूवादी भूलों की 75वीं वर्षगांठ' के जरिये हमला बोला था। पिछले दिनों इस मुद्दे पर कांग्रेस के अंदर भी जंग छिड़ गई थी, जब पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और कर्ण सिंह में बहस हुई थी। सोमवार को एक के बाद एक कई ट्वीट के जरिए रिजिजू ने कांग्रेस नेता डा. कर्ण सिंह की प्रतिक्रिया को निराशाजनक बताते हुए लिखा कि नेहरू ने कश्मीर को भारत में शामिल करने की महाराजा हरि सिंह की याचिका को एक बार नहीं, बल्कि तीन बार खारिज किया। 'पहले दोस्त, फिर भारत' की सोच को 1947 की नेहरू की कश्मीर पर शुरुआती नीति परिभाषित करती है। इसका नुकसान भारत को सात दशक तक उठाना पड़ा। रिजिजू ने सवाल उठाया- 'आखिर क्या हुआ था? क्यों पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कश्मीर को भारत का हिस्सा मानने में देरी की और पाकिस्तान को हमला करने का मौका दिया?' उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के हमले के बाद नेहरू गलत कानून के तहत संयुक्त राष्ट्र गए थे, जिसके कारण पाकिस्तान आक्रामक देश करार दिए जाने के बजाय एक पार्टी बन गया। अपने तथ्यों पर बल देते हुए कानून मंत्री ने आरोप लगाया- 'पारिवारिक इतिहासकारों ने नेहरू को महिमामंडित किया, लेकिन मैंने प्रत्येक बदु को तथ्यों के साथ प्रस्तुत किया है। कांग्रेस और उसके सत्ता राजवंशियों ने भी नेहरू को पहले और भारत को बाद में रखा है। यह स्थापित तथ्य है। इसलिए अब समय आ गया है कि इतिहास के छात्रों के लिए तथ्यों के आधार पर इतिहास को सुधारने का साहस दिखाया जाए।' रिजिजू ने अपने लेख के तथ्य फिर से उल्लेखित किए हैं। इनमें 24 जुलाई, 1952 को लोकसभा में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू द्वारा दिए गए भाषण का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने 1947 में कश्मीर विलय के प्रश्न को उठाया है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से आंखों को गंभीर किस्म का खतरा

अनियंत्रित डायबिटीज़ के शिकार हर 3 में से 1 मरीज़ है रेटिनोपैथी का शिकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । लगभग 10-12 साल तक अनियंत्रित किस्म के डायबिटीज़ से पीड़ित 3 में से 1 मरीज़ डायबिटिक रेटोनोपैथी का शिकार हो जाता है। अगर समय पर इसका उपचार ना किया जाए तो मरीज़ की आंखों को गहरी क्षति हो सकती है और वो हमेशा के लिए देखने की क्षमता तक गंवा सकता है. भारत में मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद नेत्रहीनता का तीसरा सबसे बड़ा कारण है डायबिटिक रेटोनोपैथी. उल्लेखनीय है कि ज़्यादातर भारतीयों को इस बात का अंदाज़ा तक नहीं है कि डायबिटीज़ से किसी तरह से उनकी आंखें भी क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इस बारे में बात करते हुए नोएडा स्थित आईकेयर आई हॉस्पिटल के डॉ. सौरभ चौधरी ने कहा कि लोगों को इस संबंध में जागृत करने और उनकी धारणाओं को बदले जाने की सख्त आवश्यकता है। उल्लेखनीय है दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में स्थित आईकेयर आई हॉस्पिटल की गिनती सबसे पुराने और विश्वसनीय अस्पतालों में होती है जिसे एन ए बी एच की ओर से एक्रेडिशन भी प्राप्त है. इस अस्पताल की स्थापना 1993 में की गयी थी। आई केयर आई हॉस्पिटल (नोएडा) के सीईओ डॉ. सौरभ चौधरी कहते हैं, ठहाल ही में किये गये एक सर्वे के मुताबिक, 63इ् लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि डायबिटीज़ के चलते उनकी देखने की क्षमता को गहरा नुकसान हो सकता है. इतना ही नहीं, भारत में 93इ् लोग तभी किसी ऑप्थलमॉलॉजिस्ट (नेत्र विशेषज्ञ) के पास जाते हैं जब उन्हें आंखों से संबंधित किसी तरह की कोई समस्या होती है. मगर तब तक आंखों को गहरी क्षति हो चुकी होती है और फिर ऐसे में मरीज़ों का इलाज कर उन्हें ठीक करना बहुत मुश्किल साबित होता है. आंखें शरीर की खिड़कियों की तरह होती हैं. नियमित रूप से आंखों के परीक्षण के चलते डायबिटीज़ से प्रभावित होनेवाली आंखों की वस्तु स्थिति बारे में पहले ही पता लगाना संभव होता है, फिर भले ही मरीज़ को किसी तरह के लक्षण हो या ना हों. उल्लेखनीय है कि बड़ी तादाद में डायबिटीज़ से जुड़े मामलों का पता सामान्य नेत्र परीक्षण के दौरान ही चलता है! ग़ौरतलब है कि सभी

स्वस्थ लोगों को साल? में कम से कम एक बार के लिए आंखों की जांच ज़रूर करानी चाहिए और डायबिटीज़ के मरीज़ों को हर 4 महीने में एक बार नेत्र चिकित्सक के पास ज़रूर जाना चाहिए वे आगे कहते हैं, ठडायबिटिक रेटोनोपैथी के मरीज़ों को ड्राइविंग, पठन-पाठन? और अन्य तरह के काम करने के दौरान देखने में काफ़ी दिक़्कतों का सामना करना पड़ता है. जांच के ज़रिए पहले ही बीमारी का पता लगा लेने, शुगर लेवल को नियंत्रण में रखने और लेसर ट्रीटमेंट के ज़रिए मरीज़ों की देखने की क्षमता को उम्रभर के लिए सुरक्षित किया जा सकता है. यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग कड होने के बावजूद भी ज़्यादातर मरीज़ ना तो आंखों का परीक्षण कराते है और ना ही डायबिटीज़ संबंधी जांच कराने में वो कोई रूचि लेते हैं. इनमें से ज़्यादातर लोग इलाज के लिए अस्पताल में तब पहुंचते हैं जब उनकी बीमारी बेहद एडवांस स्टेज में पहुंच चुकी होती है. ऐसे में मरीज़ों का इलाज करना किसी भी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता है. किसी भी मरीज़ के लिए नियमित रूप से आंखों की जांच और समयबद्ध तरीके से इलाज कराना बेहद ज़रूरी होता है ताकि मरीज़ रेटिनोपैथी से पैदा होनेवाली जटिलताओं से बच सकें दुनियाभर के 95 मिलियन (9.5 करोड़) व्यस्क डायबिटिक रेटिनोपैथी से पीड़ित है. इनमें से 80इ् लोगों को ठीक से दिखाई नहीं देने के कारण ड्राइविंग, पठन-पाठन अथवा किसी अन्य तरह का काम के दौरान मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. डायबिटिक रेटिनोपैथी के अलावा डायबिटीज़ की वजह से आंखों में शुष्कता और मोतियाबिंद होने के आसार भी बढ़ जाते हैं. डॉक्टरों के मुताबिक, डायबिटीज़ के मरीज़ों को 50-55 साल की उम्र में मोतियाबिंद होने की आशंका रहती है जबकि बिना डायबिटीज़ वाले लोगों को इसके 10 साल बाद ही मोतियाबंद होने की आशंका रहती है.डॉ. सौरभ चौधरी कहते हैं, ठबहुत सारे लोगों को तब तक डायबिटीज़ हो जाने का पता नहीं चलता है जब तक कि उन्हें किन्हीं जटिलताओं की वजह से अस्पताल में इलाज के लिए जाना ना पड़ जाए. उल्लेखनीय है कि भारत में आमतौर पर आंखों का परीक्षण कराना लोगों की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है. ऐसे में बड़े पैमाने पर डायबिटीज़ के मरीज़ नेत्रहीनता का शिकार हो जाते हैं और कइयों को लम्बे समय तक इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती रहना पड़ता है. ऐसे में उनके परिवारों के लिए इलाज़ कराना काफ़ी महंगा साबित होता है और अगर मरीज़ों की आर्थिक स्थिति खराब हो तो ऐसे में उनके लिए इलाज कराना मुमकिन ही नहीं हो पाता है.उल्लेखनीय है कि आईकेयर आई हॉस्पिटल में दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में रहनेवाले मरीज़ बड़ी तादाद में इलाज के लिए आते हैं। अस्पताल के अत्याधुनिक रेटिना डिपार्टमेंट में नियमित रूप से रेटिना स्पेशलिस्ट्स मरीज़ों की सेवा में कार्यरत रहते हैं। यहां? रोज़ाना? कम से कम 150 मरीज़ इलाज के लिए आते हैं, जिनमें से 100 मरीज़ डायबिटीज़ से ग्रस्त होते हैं. इन 100 मरीज़ों में से 40 मरीज़ डायबिटीज़ न्यूयरोपैथी से पीड़ित होते हैं। उल्लेखनीय है कि डायबिटिक रेटिनोपैथी उस वक्त आकार लेती है जब रेटिना की रक्त कोशिकाएं व्यक्ति के शरीर में शुगर लेवल के हाई होने के चलते क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इसके शुरुआती लक्षणों में धुंधलापन, दृष्टि में कमज़ोरी का एहसास, रात में ठीक से नहीं दिखाई देना और विविध रंगों की ठीक से पहचान नहीं कर पाना हैं. उल्लेखनीय है कि माइल्ड किस्म के मामलों का आसानी से इलाज संभव है जबकि एडवांस स्टेज में पहुंचे चुके मामलों में इलाज के लिए अमूमन लेसर ट्रीटमेंट अथवा सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है।

आखिर भारत के लिए क्यों खास है जी20 कितने राष्ट्राध्यक्षा से मिलेंगे पीएम मोदी, बाइडन-चिनफिग पर नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के बाली में जी-20 की बैठक पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। भारत के लिहाज से यह बैठक बेहद खास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए बाली पहुंच गए हैं। यह कयास लगाए जा रहे हैं कि इस यात्रा के दौरान करीब दस राष्ट्राध्यक्षों के साथ उनकी मुलाकात संभव है। हालांकि, अभी कोई इसकी आधिवारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन भारत 2023 में जी-20 की अध्यक्षता करेगा, ऐसे में इस तरह के अटकलों का बाजार गरम है। खासकर तब 1- विदेश मामलों के जानकार प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि भारतीय कूटनीति के लिहाज से जी-20 की यह बैठक काफी अहम है। इस मंच के जरिए भारत को यह मौका मिला है कि वह अपनी विदेश नीति के सार्वभौमिक मूल्यों को दुनिया के साथ साझा कर सके। इसके अलावा दुनिया के अन्य मुल्कों को भारत को समझने और भारत के दृष्टिकोण को समझाने में बड़ा मंच साबित हो सकता है। 2- इसके अलावा भारत दुनिया के किसी गुट का हिस्सा नहीं है। वह दुनिया में किसी सैन्य संगठन का भी हिस्सा नहीं है। ऐसे

में दुनिया भारत के नेतृत्व को बहुत उम्मीदों के साथ देख रही है। दुनिया में ऐसे कई मसले आए हैं, जब भारत ने अपनी विदेश नीति का लोहा दुनिया को मनवाया है। हाल में यूक्रेन जंग के दौरान भी भारत ने यह दिखा दिया कि वह किसी भी देश के आगे झुकने वाला नहीं है। भारत ने खुलकर यूक्रेन युद्ध की निंदा की और दूसरी और रूस के साथ अपनी मित्रता का निर्वाह करते हुए रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में मतदान में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया। 3- भारत के लिए यह जी-20 इस लिहाज से भी उपयोगी है कि इसमें पीएम मोदी कई राष्ट्राध्यक्षों से मिलेंगे। कई राष्ट्राध्यक्षों के साथ पीएम मोदी की द्व?पक्षीय वार्ता सुनिश्चित है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष?ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के अलावा वह इंडोनेशिया के राट्रपति जोको विदोदो से भी द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। जी-20 सम्मेलन के पूर्व अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी मोदी से मिलने की इछा जता चुके हैं। ऐसे में यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि जी-20 सम्मेलन में बाइडन और मोदी की मुलाकात होना तय है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 4- उन्होंने कहा कि इस बात की उम्मीद ज्यादा है कि जी-20 में बाइडन और मोदी की मुलाकात हो। प्रो पंत ने कहा जी-20 की अध्यक्षता का लेकर अमेरिका ने जिस तरह से भारत का स्वागत किया है, उससे यह उम्मीद बंधी है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय होगी जब संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर भारत ने रूस के खिलाफ मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

'श्री विष्णु महायज्ञ' का पांचवा दिन

पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश देती है गोवर्धन पूजा की लीला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । महर्षि आश्रम, सेक्टर-110 स्थित रामलीला मैदान में ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दिव्य प्रेरणा से राष्ट्र की समृद्धि, शांति और विकास के लिए 'श्री विष्णु महायज्ञ' के साथ परमपूज्य चिन्मयानंद बापू जी के

श्रीमुख से पांचवें दिन कथा का रसपान करते हुए श्रद्धालु पुण्य के भागी बनें। इस अवसर पर परम पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी ने कहा कि भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के पश्चात भगवान की अनेक लीलायें ब्रज में हुई। भगवान ने मात्र 14 दिनों में पूतना का वध किया और उसको मोक्ष प्रदान किया। भगवान की विचित्र लीला है कि जो भगवान को भजते हैं, उनको तो भगवान मुक्त करते ही हैं। और जिनको भगवान मारते हैं वह भी भगवान के द्वारा मुक्त ही होते हैं । बापूजी ने कहा कि भगवान ने जो माखन चोरी की लीला की है, वह लीला हमें संदेश देती है कि अपने मित्रों के साथ उनके जैसे बन कर के ही व्यवहार करें। जहां पर कोई ऊंच-नीच ना हो कोई छोटा-बड़ा ना हो। सभी के साथ समान व्यवहार हो और समाज में प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे के प्रति समान भाव रखें। ऐसा ही भाव सभी के मन में होना चाहिए। आगे भक्तों को कथा सुनाते हुए बापूजी ने कहा कि भगवान कृष्ण की जो गोपियों के वस्त्र चुराने की लीला है। उसमें भगवान ने गोपियों की अविद्या का हरण किया है। क्योंकि शास्त्रों में कहा गया है कि किसी भी नदी या सरिता में हमें नग्न होकर स्नान नहीं करना चाहिए। उसमें सरिता यानि नदी का अपमान है । भगवान ने उनकी इसी अविद्या का हरण किया। कालिया नाग के मर्दन की लीला से भी हमें यह शिक्षा लेनी चाहिए कि हमारी जीवन में किसी भी प्रकार का अहंकार नहीं होना चाहिए। कालिया नाग यमुना जी में खुद तो रहता था, लेकिन जिस जगह वह रहता था, उस जगह का जल उसने इतना दूषित कर रखा था, कि कोई भी व्यक्ति उसके पास जाए तो वह मृत्यु के करीब पहुंच जाता था। इसी बात का उसको घमंड हो गया था, इसलिए भगवान ने उसके घमंड को चकनाचूर किया। एक और गोवर्धन लीला की कथा सुनाते हुए कहा कि इंद्र अपनी पूजा कराते-कराते बहुत अभिमानी हो गए थे, और गोवर्धन की पूजा कराने से भगवान ने यह संदेश दिया कि इन वृक्षों पर फल-फूल लगते हैं, जिन वृक्षों की लकड़ियां हमें भोजन बनाने में सहायता प्रदान करती हैं, जहां पर गौ माता विचरण करती हैं, ऐसे गोवर्धन नाथ की पूजा हमें करनी चाहिए। जो गोवर्धन नाथ सबको अपनी शरण में रखते हैं, हम ऐसे गिरिराज जी की पूजा अवश्य करें और प्रकृति की पूजा करने में ही सभी का भलाई है। पर्यावरण की सुरक्षा का विशेष संदेश गोवर्धन पूजा से भगवान ने दिया है। कल कथा के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण और माता रुक्मणी का विवाह उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा । कथा परिसर श्रोताओं की भारी भीड़ के साथ पूरा भरा हुआ था और श्रोताओं का अपार प्रेम कथा के प्रति देखने को मिला । इस पावन और पवित्र कार्यक्रम श्री विष्णु महायज्ञ और श्रीमद्भागवत कथा मे कथा के प्रणेता कोऑर्डिनेटर अजय प्रकाश श्रीवास्तव- अध्यक्ष, महर्षि महेश योगी संस्थान, एवं कुलधिपति, महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी, राहुल भारद्वाज- उपाध्यक्ष, महर्षि महेश योगी संस्थान, पंकज शर्मा - सह संरक्षक, आयोजन समिति, देवेंद्र त्रिगुणा, पद्म एवं पद्म भूषण, रामेश्वर, प्रमोद जोशी, सीईओ, आस्था टीवी चैनल, जयेश भाई, अजीत, रोहित, मनोज गुप्ता, अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी नोएडा, राजीव त्यागी, नरेश शर्मा, चौ. रामकेश, अभिषेक वर्मा, हरीश सचान, महादेव पटेरिया, सुनील मिश्रा, प्रमोद रंगा, मनोज श्रीवास्तव, शिवप्रसाद शुक्ला, वी. पी. शर्मा, मोनू सिन्हा, प्रदीप जी, संतोष तिवारी, भारत भूषण, डी. एल. पण्डे, अवधराज शुक्ल, प्रभात गोस्वामी, संजय सिन्हा, पंडित उमा चरण मिश्रा, जय नारायण मिश्रा, गिरीश अग्निहोत्री, रामेन्द्र सचान- संयोजक, आयोजन समिति, एवं महर्षि परिवार के सैकड़ों श्रद्धालु और क्षेत्रवासियों ने कथा का श्रवण कर लाभान्वित हुए। उक्त जानकारी आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी ऐके लाल ने दी।

तेजस्वी यादव की प्रशंसा से गदगद नितिन गडकरी ने मंच से दिया वचन, एक दूसरे को देखते रह गए भाजपा-राजद नेता

(आधुनिक समाचार सेवा)

पटना। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सोमवार को जिस गर्मजोशी से मिले, मैदान में बैठे भाजपा और राजद के कार्यकर्ता एक दूसरे को विस्मित नजरों से देखने लगे। उनके बीच बैठे सयानों ने समझाया कि कुछ अधिक सोचने की जरूरत

नहीं है। दोनों जब कभी मिलते हैं, अंदाज यही रहता है। गडकरी से राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की पुरानी दोस्ती है। तेजस्वी भी उन्हें अभिभावक का मान देते हैं। मंच पर भी उन्होंने गडकरी को अपना अभिभावक बताया। तेजस्वी की प्रशंसा का गडकरी ने भी सकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने कहा-तेजस्वी राज्य में सड़कों के विस्तार के लिए जब कभी प्रस्ताव लेकर आएंगे, हम तुरंत मंजूरी दे देंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और तेजस्वी के सहयोग से वे बिहार के विकास में मदद करेंगे। यह दृश्य सासाराम में तीन सड़क परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह का है। गडकरी और तेजस्वी के अलावा कई और नेता मंच पर थे। लेकिन, आकर्षण के केंद्र में यही दोनों रहे। बिहार में राजद और भाजपा एक दूसरे के घोषित राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। 17 साल साथ रहने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब भाजपा को दुश्मन नंबर एक मानते हैं। लेकिन, नीतीश के उप मुख्यमंत्री ने गडकरी की खूब तारीफ की। तेजस्वी ने कहा कि वे गडकरी की कार्यशैली के प्रशंसक हैं। वह इनसे सीखते हैं। केंद्र के सभी मंत्री अगर गडकरी की तरह काम करने लगें तो विकास की गति तेज होगी। गडकरी प्रगतिशील हैं। विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। ये पार्टी और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विकास को प्राथमिकता देते हैं। पहले से ही बिहार पर विशेष ध्यान देते रहे हैं। तेजस्वी ने कहा-गडकरी जब तक केंद्र में इस विभाग के मंत्री हैं, मुझे राज्य के विकास को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

चीन में जीरो कोविड पॉलिसी को सख्त करने की मांग

बीजिंग। चीन में अभी कुछ दिनों पहले जीरो कोविड पॉलिसी में ढील दी गई थी। चीन की स्थानीय मीडिया ने सरकार से अब जीरो कोविड पॉलिसी का कड़ाई से पालन कराने का अपील की है। चीन के दैनिक समाचार अखबार पीपुल्स डेली ने अपने संपादकीय में लिखा कि उस पॉलिसी को जरूर लागू करना चाहिए, जिसमें बड़े पैमाने पर टेस्टिंग की जरूरत होती है और जिन शहरों में कोरोना वायरस को खत्म करने टेस्टिंग को लेकर निवासियों से भुगतान ने बढ़ती आर्थिक लागत को रेखांकित किया है। बीजिंग में भी कुछ दिनों पहले टेस्टिंग सेंटर बंद हो गए थे, लेकिन अब इन्हें खोल दिया गया है। हालांकि, कोरोना के मामले यहां कम हैं। हाल ही में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते रेस्तरां, अन्य व्यवसाय और ऐसे गांवों को बंद कर दिए गया था जहां श्रमिक अधिक थे। ग्वांगझू और कई इंडस्ट्रीज वाले

की कोशिश में लाखों लोगों को लॉकडाउन के तहत रखा जाता है। बता दें कि चीन में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 17,772 नए मामले सामने आए हैं। बीते हफ्ते ही क्वारंटाइन और कोरोना को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों में राहत दी गई थी। शिजियाझुआंग की प्रमुख प्रांतीय राजधानी में बंद होने के एक दिन बाद ही मुफ्त टेस्टिंग सेंटर को फिर खोल दिया गया है। कोरोना शहरों के अलावा अन्य कई आवासीय परिसरों और पूरे जिलों में लॉकडाउन लगाया गया है। चीन में सोमवार को भी कोरोना के रिकॉर्ड मामले सामने आए थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक, देश भर में 16,072 नए संक्रमित मिले थे। वहीं, बीजिंग में 407 मामले सामने आए थे। कहा जा रहा है कि अगले साल मार्च से प्रतिबंध हट सकते हैं।

महेश बाबू के पिता के निधन से शोक में इंडस्ट्री रजनीकांत ने कहा- बहुत बड़ी क्षति है

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू के परिवार पर एक बार फिर से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। महेश अभी उनकी मां के ?निधन के गम से पूरी तरह से उबर भी

नहीं पाए थे कि आज सुबह उनके पिता कृष्णा घट्टामनेनी का निधन हो गया है। 79 वर्ष की उम्र में कृष्णा ने हैदराबाद के प्राइवेट अस्पताल में अंतिम सांस ली। कृष्णा घट्टामनेनी एक जाने-माने तेलुगू सुपरस्टार थे। कृष्णा ने अपने फिल्मी करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कुछ दिनों पहले महेश बाबू के पिता को हार्ट अटैक आया था, जिसके तुरंत बाद ही उन्हें आनन-फानन में हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं आज यानी मंगलवार सुबह 4 बजे हैदराबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट की वजह से उन्होंने अंतिम सांस ली। इस खबर के सामने आने के बाद मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। हर कोई उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। रजनीकांत भी कृष्णा के निधन से काफी दुखी हैं। उनहोंने ट्वीट कर लिखा, 'कृष्णा गारु का निधन तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है ष्ठ उनके साथ 3 फिल्मों में काम करना की बहुत सारी यादें हैं, जिन्हें मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना... भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।' एक्टर कमल हासन ने भी कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'तेलुगु सिनेमा के एक आइकन कृष्णा गारू नहीं रहे, उनके निधन से एक युग का अंत हो गया। मैं भाई महेश बाबू के दुख को साझा करना चाहता हूं, जिन्होंने मां, भाई और अब अपने पिता को खोने का यह तीसरा भावनात्मक सदमा झेलना पड़ रहा है। मेरी गहरी संवेदना प्रिय महेश गारू।' राधिका सरथकुमार ने ट्वीट कर लिखा, 'कृष्णा गारू के निधन पर गहरा दुख हुआ, उन्होंने सुपरस्टार कृष्णा के रूप में एक महान छाप छोड़ी। उनकी आत्मा को शांति मिले। इस कठिन समय में उनके परिवार को मेरी तरफ से संवेदनाएं। अल्लारी नरेश ने लिखा, 'एक लेजेंड जैसा कोई और नहीं, कृष्णा गारु ने हमें सिखाया कि 'सुपरस्टार' की आभा का वास्तव में क्या मतलब है। मेरे पिता आपके सबसे बड़े प्रशंसकों में से एक थे। इस समय हम सभी को जो अपार क्षति महसूस हो रही है, उसे व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरी प्रार्थनाएं हैं महेश बाबू सर, उनके पूरे परिवार और प्रशंसकों के साथ है।' कार्तिकेय अभिनेता निखिल सिद्धार्थ ने लिखा, 'यह दिल तोड़ने वाली खबर है। हमारे सुपरस्टार कृष्णा गारु अब नहीं रहे। वो कई पीढ़ियों के लिए आइकन और प्रेरणा हैं .... हम सभी आपको याद करेंगे सर। महेशा बाबू और परिवार को शक्ति दे। भगवान इस कठिन परीक्षा की घड़ी में तुम्हारे साथ रहो।'

एमसी स्टैंड ने प्रियंका से लड़ाई में कह दी ऐसी गंदी बात, यूजर्स बोले- पहले इसे घर से बाहर निकालो

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस का घर दो हिस्सों में बंट चुका है। एक तरफ जहां एमसी स्टैंड, शिव, साजिद खान, निमृत, अब्दु का एक ग्रुप है, तो वही दूसरी तरफ सौंदर्या, गौतम, प्रियंका, अंकित और अर्चना गौतम दूसरे ग्रुप में हैं। इन दोनों ग्रुप्स में दर्शकों को अक्सर लड़ाई देखने को मिलती है, जहां एक-दूसरे से बहसबाजी में ये स्टार्स ऐसी पर्सनल बातें कह जाते हैं, जिसे सुनकर ऑडियंस भी हैरान रह जाती है। हाल ही में घर में एमसी स्टैंड और

प्रियंका का एक बहुत बड़ा झगड़ा देखने को मिला। जिसमें एमसी स्टैंड ने प्रियंका से लड़ाई में ऐसी गंदी बाते कहीं, जो यूजर्स को बिलकुल भी रास नहीं आई और लोगों ने रैपर को शो से बाहर निकालने की मांग की। हाल ही में बिग बॉस ने टीना दत्ता, सुम्बुल तौकीर, एमसी स्टैंड और शालीन भनोट को बाथरूम में स्मोक करने के लिए दंडित किया। इसी बीच प्रियंका और एमसी के बीच उनके लाइटर को लेकर जबरदस्त लड़ाई हुई। प्रियंका ने लड़ाई-लड़ाई में रैपर से कहा, 'ये रहा लाइटर अब तू लेकर दिखा इसे। मेरे साथ ज्यादा फालतू की बकवास मत करना, कब से बोल रही हूं कि वो वहां पड़ा है। पागल समझा है क्या, चल-चल मुझे मत बोला, अरे चल-चल। प्रियंका और एमसी स्टैंड के बीच लाइटर से शुरू हुई लड़ाई इस हद तक चली गई कि रैपर ने एक्ट्रेस पर कई पर्सनल कमेंट ही नहीं किए, बल्कि नेशनल टेलीविजन पर ऐसी बातें कहीं जिससे एक्ट्रेस गौहर खान भी भड़क गईं। प्रियंका से लड़ाई में एमसी स्टैंड ने उन पर अंकित गुप्ता को लेकर पर्सनल कमेंट्स किए। उन्होंने कहा, 'किसको बोल रही है पोपट को, तेरा बेटा है क्या ये लेकर दिखाओ, चपाती बना रही क्या। स्मोक करती क्या छी लड़की स्मोक करती क्या? बिग बॉस क्या बदतमीजी दिखा रही है। स्मोक करना क्या सिखा रही है। घरवालों को ही बोलती है मम्मी मुझे लाइटर दो स्मोक करना सिखाते हैं यूथ को। तेरे क्या नौकर हैं अन्दर आके लो, फोड़ दूंगा सारे लाइटर। किधर चलूं कल, मेरे को क्या बोल रही है, अंकित को बोल और लेकर जा। तेरे को दो ब्यायफ्रेंड्स चाहिए, मेरे को क्यों बोल रही है, मेरे को नहीं आना है। शादी होगी, बच्चे होंगे तो वह भी इरिटेट होंगे, हर इंसान होगा। चल-चल मत बोल, मेरे को नहीं आना। मेरी गर्लफ्रेंड है बाहर'। प्रियंका के ऊपर लड़ाई में एमसी स्टैंड द्वारा किया गया ये कमेंट लोगों को बिलकुल भी रास नहीं आया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'क्या बातचीत चल रही थी और एमसी स्टैंड कहां बात को लेकर गया। दो-दो बीएफ बदतमीजी वाली बातें और किसी ने इस पर कुछ कहा भी नहीं। दूसरे यूजर ने उन्हें स्त्री से द्वेष करने वाला बताते हुए लिखा, 'एमसी स्टैंड को निकालो यार'। सोशल मीडिया यूजर्स के अलावा गौहर खान ने भी एमसी स्टैंड पर अपना गुस्सा व्यक्त करते हुए उन्हें सोशल मीडिया पर लताड़ लगाई।

भूमि पेडनेकर की लेटेस्ट तस्वीरें उड़ा देंगी आपके होश, तस्वीर देख यूजर्स बोले- क्या खूबसूरती है

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हसीन अदाकारा भूमि पेडणेकर लाखों दिलों की धड़कन हैं। एक्टिंग के साथ अपने ग्लैमरस लुक के लिए भी सुर्खियां बटोरती

रहती हैं। पहली फिल्म से लेकर अब तक उन्होंने अपने लुक्स में काफी एक्सपेरिमेंट किए हैं, जो लोगों को पसंद भी आया है। सोशल मीडिया पर अक्सर अपने बोल लुक्स को साझा करती रहती हैं। इस बार भी भूमि ने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें शेयर की हैं। जिसे देख हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। यह तारीफ इसलिए भी हो रही है क्योंकि भूमि ने अपना मेकअप खुद से किया है। चाहे कोई भी एक्टर हो या एक्ट्रेस, आउटडोर शूटिंग के लिए प्रोफेशनल मेकअप करना ही होता है। इसके लिए प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट होते हैं, जो एक्टर्स की खूबसूरती को बखूबी बाहर लेकर आते हैं। लेकिन भूमि ने अपने टैलेंट का भरपूर फायदा उठाते हुए इस शूट में अपनी स्किल्स को सबके सामने रखा। भूमि ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें यह भी बताया है कि उन्होंने अपना मेकअप खुद किया है। भूमि ने इन तस्वीरों में आइस ब्लू कलर की चमचमाती ड्रेस पहनी है। एक्ट्रेस की इंडियन ड्रेस को मॉर्डन लुक भी दिया गया है। टाइट फिटिंग फिगर एक्ट्रेस अपने बॉडी शेप को फ्लॉन्ट कर रही हैं। इस ड्रेस में वह किसी अप्सरा से कम नहीं लग रहीं। भूमि ने ब्राउन कलर की ग्लौसी लिपस्टिक लगाई है जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। आंखों पर विंग्ड आईलाइनर लगाया है। आंखों के मेकअप को कंप्लीट लुक देने के लिए भूमि में काजल का भी इस्तेमाल किया है। चेहरे के फीचर्स को उभारने के लिए ब्रॉजर और हाइलाइटर का यूज किया है। ज्वेलरी के नाम पर हाथों में ब्रेसलेट और कानों में इयररिंग्स पहनी हैं।

केबीसी में आयी अब तक की सबसे अतरंगी कंटेस्टेंट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन फिल्मों के साथ-साथ इन दिनों कौन बनेगा करोड़पति का सीजन 14 होस्ट कर रहे हैं। जहां दर्शकों को उनका मजाकिया अंदाज देखने को मिलता है। केबीसी के मंच पर बिग बी गेम खेलने के साथ-साथ कंटेस्टेंट

के संग खूब मस्ती भी करते हैं, लेकिन शो में इस बार एक ऐसी कंटेस्टेंट आ गई कि शहंशाह भी कुछ देर के लिए चुप्पी साधने को मजबूर हो गए। आते ही हड़पी बिग बी की कुर्सी केबीसी 14 के मेकर्स ने शो के अपकमिंग एपिसोड का वीडियो शेयर किया है, जिसमें गुजरात के राजकोट से आई कंटेस्टेंट फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट जीतकर मंच पर अमिताभ बच्चन संग नजर आ रही है। शो में आकर कंटेस्टेंट इतनी एक्साइटेड है कि वह भूलकर हॉट सीट छोड़कर होस्ट सीट पर बैठ जाती है और कुछ देर तक उन्हें एहसास भी नहीं होता की यह अमिताभ बच्चन की कुर्सी है। कंटेस्टेंट की इस हरकत को देखकर दर्शकों के साथ-साथ बिग बी भी हैरान रह जाते हैं और चुप्पी साधकर कुछ देर तक कंटेस्टेंट को देखते रहते हैं, फिर जाकर हॉट सीट पर बैठ जाते हैं।हॉट सीट पर बैठे अमिताभ बच्चन कहते हैं, 'फोरम जी, मैं आपको बता नहीं सकता हूं कि मैं आज कितना खुश हूं कि मैं आज हॉट सीट पर बैठा हूं।' बिग बी की बातें सुनकर कंटेस्टेंट को महसूस होता है कि वह गलत कुर्सी पर बैठ गई है और गलती मानते हुए कंटेस्टेंट हंसकर कहती है, 'सब उल्टा-पुल्टा हो रहा है।' इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा- 'आप थोड़ी विचित्र हैं, जाना था वहां, पहुंच गईं यहां।' कंटेस्टेंट ने जवाब देते हुए कहा, 'सर ऐसे कनफ्यूज होकर कहीं पर भी चली जाती हूं, पर पहुंचती सही जगह पर हूं।' कंटेस्टेंट की बात सुन बिग बी के साथ ऑडियंस की भी हंसी छूट जाती हैं। बता दें कि गुजरात से आई यह कंटेस्टेंट फोरम मकाडिया में एक टैक्स इंस्पेक्टर हैं।

इंटरनेशनल डेब्यू के लिए तैयार हैं ऋचा चड्ढा, इस बड़ी फिल्म में मिला लीड रोल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अक्टूबर में लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड अली फजल से शादी कर ली। शादी

के एक महीने बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों की स्क्रिप्ट फाइनल करना भी शुरू कर दिया है। शादी के बाद ऋचा चड्ढा फिर से फिल्मी दुनिया में लौट रही हैं, लेकिन इस बार शुरुआत सिर्फ बॉलीवुड से नहीं, बल्कि हॉलीवुड की फिल्म से भी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋचा चड्ढा इंटरनेशनल सिनेमा में अपनी एक्टिंग स्किल्स दिखाने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ब्रिटिश डायरेक्टर की फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करेंगी। ऋचा चड्ढा अपनी पहली इंटरनेशनल फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। मीडिया हाउस से बातचीत में उन्होंने कहा, 'अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन हां, मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी है और तय किया कि इसके लिए हामी भर दूं। कहानी बहुत अच्छी है और मुझे मेरा कैरेक्टर पसंद आया। यह देख कर बहुत अच्छा लगता है कि इंडियन एक्टर्स के लिए इंटरनेशनल प्रोडक्शन्स में इंडियन एक्टर्स के लिए महत्वपूर्ण किरदार लिखे जाते हैं।' बता दें कि इससे पहले ऋचा ने 'लव सोनिया' में एक्टिंग की थी, जिसका प्रोडक्शन डेविड वोमार्क ने किया था। फिल्म का निर्देशन इंडियन डायरेक्टर तबरेज नूरान ने किया था। यह ऋचा की पहली इंटरनेशनल फिल्म होगी, जिसमें वह लीड एक्ट्रेस के तौर पर दिखेंगी। ऋचा चड्ढा ने 'मसान', 'फुक्रे' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। इंडस्ट्री में लंबा सफर तय कर चुकी यह एक्ट्रेस फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म हीरा मंडी की शूटिंग में बिजी हैं। इसके अलावा 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' भी उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिसका निर्देशक शुचि तलाटी कर रही हैं। यह फिल्म 16 साल की लड़की और मां के साथ उसकी बॉन्डिंग पर आधारित है। मूवी की शूटिंग देहरादून, उत्तराखंड, मसूरी में पूरी की जा रही है।

बाल दिवस पर वायरल हुई कियारा आडवाणी की बचपन की वीडियो

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। शेरशाह एक्ट्रेस कियारा आडवाणी फैंस की फेवरेट बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर जब भी उनकी कोई तस्वीर या वीडियो आती है, वह देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं। कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी फिल्मों के साथ-साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा संग अपने रिश्ते को लेकर भी काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। ये कियारा के बचपन की वीडियो है। इस वायरल वीडियो को देखने के बाद उनकी आंखों की और उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

सॉलिड रफ्तार के बाद मंडे टेस्ट में 'ऊंचाई' को झटका, फिल्म ने कमाए इतने करोड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फिल्म मेकर सूरज बड़जात्या अक्सर ऐसी फिल्में बनाते हैं, जिसे पूरे परिवार के साथ आराम से देखा जा सकता है। उनकी लेटेस्ट डायरेक्ट की गई फिल्म

ऊंचाई है, जिसमें चार धुरंधर अभिनेता (अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी और डैनी डेंजोंग्पा) ने शानदार अभिनय किया है। दर्शकों को फिल्म की स्क्रीनप्ले अरे चारों दोस्तों की दोस्ती पर आधारित कहानी पसंद आ रही है। फिल्म के अब तक के सभी आंकड़े सामने आ गए हैं। 'ऊंचाई' को बॉक्स ऑफिस पर डीसेंट ओपनिंग मिली थी। पहले दिन फिल्म ने 1.81 करोड़ का कलेक्शन किया। मूवी को दर्शकों का पॉजिटिव रिस्पांस मिला। फिल्म को वीकेंड का भी फायदा मिला। शनिवार को फिल्म की कमाई 3.64 करोड़ रुपये हुई। ऊंचाई को पहले दो दिन लिमिटेड स्क्रीन स्पेस ही मिली थी। 500 से भी कम थिएटर में इसके 1500 शो ही चले। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार, ऊंचाई को 483 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। तीसरे दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल देखी गई। तीसरे दिन इस मूवी ने 4.71 करोड़ का बिजनेस किया। फिल्म की कमाई तीन दिन में ही 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। हालांकि, चौथे दिन की कमाई में थोड़ी सी गिरावट देखी गई। चौथे दिन फिल्म ने 1.88 करोड़ का कारोबार किया। 'ऊंचाई' फिल्म के साथ सूरज बड़जात्या 8 साल बाद डायरेक्शन की दुनिया में लौटे हैं। फिल्म की कहानी भी उन्होंने खुद लिखी है। इससे पहले 2015 में आई 'प्रेम रतन धन पायो' को उन्होंने डायरेक्ट किया था। यह कहानी चार दोस्तों की है, जो एवरेस्ट बेस कैंप पर जाना चाहते हैं। वह अपने उस एक दोस्त के सपने को पूरा करते हैं, जो उनके साथ बेस कैंप में नहीं जा पाता, क्योंकि वह अब इस दुनिया में नहीं है।

बिग बॉस का घर बना शतरंज का मैदान, कैप्टेंसी में आया ऐसा ट्विस्ट की उड़ गए सबके होश

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस 16 बीतते दिनों के साथ और भी दिलचस्प होता जा रहा है।सीजन की शुरुआत में ही ये कहा गया था कि हर मोड़ पर घर में एक ट्विस्ट आएगा, क्योंकि इस बार बिग बॉस

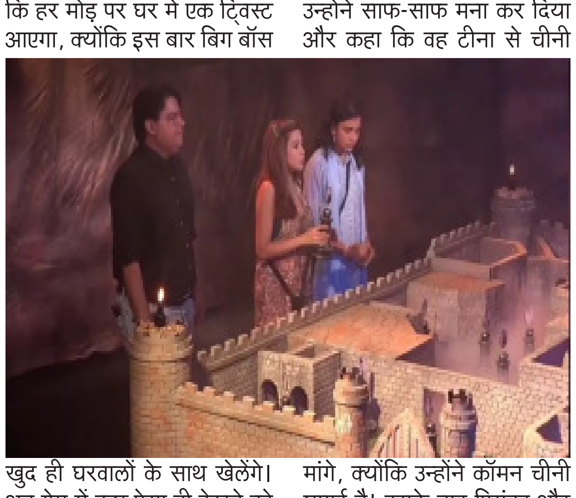

खुद ही घरवालों के साथ खेलेंगे। अब गेम में कुछ ऐसा ही देखने को मिल भी रहा है। क्योंकि इस हफ्ते बिग बॉस कैप्टेंसी टास्क में ऐसा ट्विस्ट लाए कि कंटेस्टेंट के साथ-साथ घर के कैप्टन साजिद खान भी चित्त हो गए। इसके अलावा घर में चीनी को लेकर भी काफी हंगामा हुआ। सोमवार के एपिसोड में और क्या खास रहा, यहां जानिए पूरी डिटेल्स। सोमवार की शुरुआत घर में चीनी की लड़ाई के साथ हुई। बिग बॉस ने इस बार जो राशन भेजा, उसमें उन्होंने चीनी कॉमन भेजी थी, लेकिन टीना और कई घरवालों ने चीनी छुपा ली। जब प्रियंका ने अर्चना से चीनी मांगी तो उन्होंने साफ-साफ मना कर दिया और कहा कि वह टीना से चीनी मांगे, क्योंकि उन्होंने कॉमन चीनी छुपाई है। इसके बाद प्रियंका और शालीन की आपस में बहस हुई और उसी लड़ाई में निमृत और कई लोग घुसे। इस दौरान निमृत और टीना चल-चल कहकर प्रियंका का मजाक उड़ाते हुए नजर आए और अंकित ने जैसे ही बोला, शिव गूंगा कहकर उनका मजाक उड़ाने लगे। इसके अलावा शालीन और सौंदर्या की भी आपस में बहुत लड़ाई हुई। सौंदर्या का घर में पहले शालीन और उसके बाद टीना से झगड़ा देखने को मिला। इस लड़ाई में सौंदर्या टीना के कमेंट पर ये कहती हुई नजर आई कि लोग मुझे स्टॉक कर रहे हैं। जिसे सुन टीना ने कहा अब बस यही रह गया। इसके बाद सौंदर्या बोली जलो-मरो मुझे क्या। इस बात को सुनने के बाद टीना ने तुरंत कमेंट करते हुए कहा कि सुबह-सुबह उठकर मेकअप थोपते हैं, फिर भी माय ग्लैम में एक भी बार नाम नहीं आया। इस लड़ाई के बाद सौंदर्या का गुस्सा शांत नहीं हुआ और किचन में खड़े हुए उनका सुम्बुल और निमृत से झगड़ा हो गया, जहां निमृत सौंदर्या-गौतम के निजी रिश्ते पर कमेंट करती दिखीं। इस हफ्ते की कैप्टेंसी पिछली सभी कैप्टेंसी से बिलकुल अलग रही। साजिद घर के कैप्टन जरूर बने, लेकिन वह अपनी खुशी सेलिब्रेट करते, इससे पहले ही बिग बॉस ने शतरंज की चाल चल दी। दरअसल कैप्टेंसी टास्क में बिग बॉस में सभी घरवालों को मोहरा और साजिद खान को टूरिस्ट गाइड बनाया था। एक्टिविटी एरिया को शाही महल में बदला गया और वहां पर कई मोहरे रखे गए। टूरिस्ट गाइड साजिद खान के साथ हर बार दो कंटेस्टेंट अन्दर गए और उन्होंने किन्हीं तीन कंटेस्टेंट को कैप्टेंसी से बाहर कर दिया।

सानिया ने फराह खान संग मनाया बर्थडे, शोएब मलिक ने भी किया रोमांटिक अंदाज में विश

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक इन दिनों अपनी तलाक की खबरों को लेकर काफी चर्चा में बनें हुए हैं। आए दिन दोनों के तलाक को लेकर कई अपडेट्स आ रहे हैं। वहीं आज सानिया मिर्जा का जन्मदिन हैं। इस खास मौके पर टेनिस स्टार को उनके फैंस और दोस्त जमकर वायरल हो रहे हैं। दरअसल, फराह खान ने इंस्टाग्राम हैंडल पर सानिया का एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में सानिया अपना बर्थडे केक कट करती दिख रही हैं। इस मौके पर उनके साथ कई और लोग भी मौजूद थे। वहीं उनकी बेस्ट फ्रेंड फराह उनके लिए बर्थडे सॉन्ग गाती नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा के जन्मदिन पर उनके पति शोएब मलिक ने

बधाई दे रहे हैं। वहीं सानिया ने अपना जन्मदिन अपनी खास दोस्त फराह खान और अनन्या बिरला के साथ सेलिब्रेट किया है। वहीं हैरान करने वाली बात ये है की सानिया को शोएब मलिक ने भी जन्मदिन की बधाई दी है। सानिया मिर्जा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन को सानिया ने बॉलीवुड की जानी मानी फिल्म प्रोड्यूसर और कोरियोग्राफर फराह खान और अनन्या बिरला के साथ सेलिब्रेट किया है। बर्थडे सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। तलाक की खबरों के बीच इस तरह से शोएब का सानिया को विश करना फैंस को हैरान कर रहा है। शोएब ने सोमवार देर रात करीब 1:15 बजे सानिया के साथ एक खूबसूरत फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'आपको जन्मदिन की बधाई सानिया मिर्जा। आपको बहुत स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना! दिन का भरपूर आनंद लें...।' इस पोस्ट के सामने आने के बाद अब फैंस एक बार फिर से इस रिश्ते के ना टूटने की कामनाएं कर रहे हैं।

अक्षय कुमार के 'राजू' के किरदार में नहीं दिखेंगे कार्तिक आर्यन, फिल्म को लेकर आया बड़ा अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की कॉमेडी फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी समय से बज बना हुआ है। हाल ही में एक इंटरव्यू के

दौरान अक्षय कुमार ने ये कंफर्म किया था कि वह अनीस बाजमी की कॉमेडी फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे, जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर ये खबर आग की तरह फैल रही थी कि इस फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन ने खिलाड़ी कुमार को राजू के किरदार में रिप्लेस किया है। हालांकि अब फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है, जिसमें ये बताया गया कि कार्तिक आर्यन अक्षय कुमार का राजू का किरदार नहीं निभाएंगे। ई-टाइम्स में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक हेरा फेरी 3 में अक्षय कुमार का राजू का किरदार होगा ही नहीं। उनके सूत्रों की मानें तो, 'जब ये खबर सामने आई थी कि अक्षय कुमार हेरा फेरी 3 का हिस्सा नहीं होंगे, तो इस फिल्म की फ्रेंचाइजी से उनके लोकप्रिय किरदार राजू को ही पूरी तरह से निकाल दिया गया था। हेरा फेरी 3 में अक्षय का किरदार ही नहीं होगा। हेरा फेरी 3 में कार्तिक आर्यन को एक नए किरदार के साथ शामिल किया गया है। उनका किरदार बिलकुल नया और अलग होने वाला है। इस फिल्म में एक बार फिर परेश रावल और सुनील शेट्टी की जोड़ी फैंस को देखने को मिलेगी और उन्हें कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ज्वाइन करने वाले हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।